



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 308]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 29, 2009/ आश्विन 7, 1931

No. 308]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 29, 2009/ASVINA 7, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 2009

अंतिम जांच परिणाम

विषय : बेलारूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नाइलोन टायर कॉर्ड फैब्रिक के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

फा. सं. 14/09/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए;

प्रक्रिया

2. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत को अधिसूचित करने वाली सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) ने घरेलू उद्योग के लिए और उसकी ओर से सिंथेटिक फाइबर उद्योग एसोसिएशन से उपर्युक्त नियमानुसार एक लिखित आवेदन प्राप्त किया जिसमें बेलारूस (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित नाइलोन टायर कॉर्ड फैब्रिक के पाटन का आरोप लगाया गया था;
- प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्रवाई से पूर्व याचिकाकर्ता द्वारा किए गए पाटन के आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित बेलारूस के दूतावास/प्रतिनिधि को अधिसूचित किया;
- प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव की जांच करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि

लगाया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर्याप्ततः समाप्त हो जाएगी, नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार बेलारूस के मूल के या वहां से निर्यातित नाइलोन टॉयर कॉर्ड फैब्रिक के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 30 सितंबर, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।

- iv. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 30 सितंबर, 2008 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भारत में बेलारूस के प्रतिनिधि, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- v. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां फिक्की, सीआईआई और एसोचैम को भी व्यापक परिचालन हेतु भेजी गई थीं ।
- vi. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और भारत में बेलारूस के प्रतिनिधि को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति उपलब्ध कराई ।
- vii. भारत में संबद्ध देश के प्रतिनिधि को इस अनुरोध के साथ नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था कि वह निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के बारे में अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी ज्ञात निर्यातकों के नाम और पतों के साथ उन्हें भेजी गई थी ।
- viii. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावलियां भेजीं ।
- ix. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयात के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था । डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात के आंकड़ों पर भी इस जांच परिणाम में गौर किया गया है ।
- x. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा जिसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा;

- xi. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देश के निर्यातकों में से एक निर्यातक मै. जे एस सी ग्रोडनो खिमवोलोक्नो ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया । दूतावास ने पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में अनुरोध किए । उन पर इस जांच परिणाम में विचार किया गया है ।
- xii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में एक आयातक मै. अपोलो टायर लि. ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया ।
- xiii. जिन निर्यातकों/आयातकों ने सूचना दायर नहीं की है, उन्हें असहयोगी निर्यातक/आयातक माना गया है ।
- xiv. प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों को सुनने के लिए 29.6.2009 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की । सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित होने वाली पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित निवेदन दायर करने का अनुरोध किया गया था । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों से प्राप्त अनुरोधों पर इस जांच परिणाम में विचार किया है ।
- xv. प्राधिकारी ने 4 सितंबर, 2009 को प्रकटन विवरण जारी किया, जिसमें अनिवार्य विचाराधीन तथ्यों का उल्लेख किया गया था, जो अंतिम जांच परिणाम में उसके निर्णय का आधार हैं । उस पर प्राप्त उत्तर पर वर्तमान जांच परिणाम में दोहराए बिना विचार किया गया है ।
- xvi. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- xvii. यह जांच 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008 तक की अवधि के लिए की गई थी । तथापि, क्षति विश्लेषण वर्ष 2004-2005, 2005-2006, 2006-2007 की अवधि और जांच अवधि के लिए किया गया है ।
- xviii. *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में गोपनीय आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद बेलारूस के मूल का या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु नाइलोन का एक फैब्रिक है, जिसका व्यापक उपयोग टायर कोर्ड के लिए होता है। एन टी सी एफ का उपयोग बस एवं ट्रक के टायरों, तिपहिया वाहनों के टायरों, साइकिल के टायरों, हल्के वाणिज्यिक वाहनों के टायरों, पशु चालित वाहनों आदि जैसे विभिन्न प्रकार के ऑटोमोटिव टायरों में किया जाता है।
4. नायलोन टायर कोर्ड फैब्रिक का उत्पादन यार्न के अलग-अलग डेनियरों के उपयोग करते हुए किया जाता है। फैब्रिक का उपयोग टायरों की मजबूती के लिए होता है। उत्पाद की बिक्री "ग्रे फैब्रिक" और "डिप्ड फैब्रिक" के रूप में भी की जाती है। ये विचाराधीन उत्पाद के मात्र अलग-अलग स्वरूप हैं। भारतीय टायर उद्योग द्वारा ग्रे और डिप्ड दोनों प्रकार के फैब्रिक की खरीद की जा रही है। एन टी सी एफ के समस्त प्रकार विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में आते हैं और ये सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय-59 के उपशीर्ष 59.02.10.00 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
5. समान वस्तु के संबंध में नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है: -

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;
6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देश से निर्यातित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का अदल-बदल कर उपयोग किया जा रहा है। इस संबंध में किसी भी विरोधी हितबद्ध पार्टी ने कोई आपत्ति नहीं की है। इस प्रकार याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमों के अनुसार संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

घरेलू उद्योग का आधार

- 7 यह आवेदन सिंथेटिक फाइबर उद्योग एसो. ने एसआरएफ लि. तथा सैन्चुरी एंका की ओर से दायर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक अन्य उत्पादक मै. एनआरसी भी था जिसने जांच अवधि में संबद्ध वस्तु का उत्पादन किया था। तथापि, कंपनी ने उत्पादन स्थगित कर दिया है और उसने सूचना के अनुरोध पर प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। प्राप्त सूचना के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आवेदक कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ताओं के पास नियम 5(3) के अनुसार आधार है और वे नियम 2(घ) के अनुसार घरेलू उद्योग हैं।

आयात की मात्रा और न्यूनतम सीमाएं

- 8 प्राधिकारी ने (क) याचिकाकर्ता (जो गौण स्रोत के आयात आंकड़ों पर आधारित है), (ख) प्राधिकारी द्वारा डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना और (ग) प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रदत्त संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा की जांच की है। यह नोट किया जाता है कि प्रतिवादी निर्यातक द्वारा सूचित आयात की मात्रा डीजीसीआईएंडएस तथा गौण स्रोत के आंकड़ों में सूचित आयातों की मात्रा से अधिक है। रिकॉर्ड में उपलब्ध आयात के विभिन्न आंकड़ों के आधार पर बेलारूस से आयात की मात्रा न्यूनतम स्तर से अधिक पाई गई है।
9. मै. अपोलो टायर्स, गुड़गांव ने आयातक के रूप में उत्तर दिया है और उसने जांच अवधि के दौरान किए गए आयातों (शुल्क संदत्त और शुल्क मुक्त) के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि बेलारूस से हुए आयातों के बारे में मैसर्स अपोलो टायर्स द्वारा प्रदत्त सूचना में सी आई एफ कीमत निर्यातक के उत्तर के अनुरूप है।

हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क

10. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद बेलारूस के मूल का या वहां से निर्यातित नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक (एनटीसीएफ) है जिसे आगे (संबद्ध उत्पाद या संबद्ध वस्तु) भी कहा गया है।
- ख. उत्पाद एक नाइलोन का फैब्रिक है जो टायर कोर्ड के लिए मुख्य रूप से होता है। एनटीसीएफ का उपयोग विभिन्न प्रकार के ऑटोमोटिव टायरों में किया जाता है।

- ग. नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक का उपयोग विभिन्न प्रकार के टायरों में मजबूतकारी फैब्रिक के रूप में किया जाता है ।
- घ. अधिकांश उत्पादकों द्वारा स्वयं चिपों का उत्पादन किया जाता है और तत्पश्चात् यार्न एवं फैब्रिक का उत्पादन किया जाता है । वस्तुतः उत्पादकों द्वारा इन्हें समेकित उत्पादन कार्यकलाप माना जाता है । उत्पादन प्रक्रिया में मध्यवर्ती के रूप में उत्पादित नाइलोन चिप और नाइलोन यार्न का आम तौर पर उत्पादन एनटीसीएफ उत्पादन में खपत के लिए ही किया जाता है ।
- ङ. संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय-59 में श्रेणीबद्ध की गई है जिसमें "इम्प्रेग्नेटेड, कोटेड, कवर्ड या लेमिनेटेड टैक्सटाइल फैब्रिक" शामिल है । संबद्ध वस्तु शीर्ष 5902 में श्रेणीबद्ध है जिसमें "नाइलोन के उच्च तनाव वाले यार्न का टायर कोर्ड फैब्रिक अथवा अन्य पोलिएस्टर अथवा विस्कोस रेयन" शामिल हैं । नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक उपशीर्ष 59021000 में वर्गीकृत है ।
- च. संबद्ध वस्तु फैब्रिक रूप में है । वाणिज्यिक रूप से विनिर्मित नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक (क) ग्रे फैब्रिक; और (ख) डिप्ड फैब्रिक दो रूपों में उपलब्ध है ।
- छ. संबद्ध उत्पाद के आयातों पर कोई प्रतिबंध नहीं है । इस उत्पाद का आयात किसी भी मात्रा में किसी भी देश से मुक्त रूप में किया जा सकता है ।
- ज. बेलारूस के उत्पादकों/निर्यातकों ने हाल ही में भारतीय बाजार में एनटीसीएफ का निर्यात शुरू किया है । क्षति अवधि के दौरान बेलारूस से पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।
- झ. भागीदार कंपनियों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन बनता है । यह याचिका संबद्ध वस्तु की एसोसिएशन द्वारा की जा रही है । कृपया इस बात पर विचार किया जाए कि याचिका घरेलू उद्योग की ओर से दायर की जा रही है ।
- ञ. भारत में इस उत्पाद का एक और उत्पादक है । तथापि एनआरसी लि. ने प्रस्तावित जांच अवधि में उत्पादन बंद कर दिया है ।
- ट. मैसर्स सेंचुरी एंका लिमिटेड बी के बिड़ला कंपनी समूह की है । मैसर्स बिड़ला टायर्स (केसोराम इंडस्ट्रीज लि. की एक इकाई) भी बी के बिड़ला कंपनी समूह की है । बिड़ला टायर्स तथा सेंचुरी एंका संबंधित कंपनियां हैं । मैसर्स बिड़ला टायर्स द्वारा एनटीसीएफ का नियमित आयात किया जा रहा है ।

- ठ. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में याचिकाकर्ता कंपनियों के पर्याप्त निर्यात कार्यकलाप नहीं होते हैं ।
- ड. बेलारूस से निर्यातित और याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु (एनटीसीएफ) में कोई ज्ञात अंतर नहीं है ।
- ढ. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु (विभिन्न ग्रेडों में) भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है । उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का अदल-बदल कर उपयोग किया जा सकता है और किया जा रहा है । ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं ।
- ण. याचिकाकर्ता कंपनियों और संबद्ध देश के उत्पादक द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी में कोई ज्ञात अंतर नहीं है ।

ए टी एम ए के अनुरोध

11. प्रयोक्ता एसोसिएशन ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- (क) जांच अवधि- जांच अवधि के दौरान उत्पाद की लागत और कीमत में उतार-चढ़ाव के कारण उसमें अलग-अलग अवाधियों में गौर करते हुए सुधार किया जा सकता है ।
- (ख) डब्ल्यू टी ओ सदस्यों तथा गैर सदस्यों को समान माना गया है - नियमावली के पैरा 11 के अनुसार विनिर्दिष्ट देशों के मामले में क्षति एवं कारणात्मक संबंध का विश्लेषण अनिवार्य है जिन्हें अन्य देशों के मामले में अलग या निषिद्ध नहीं किया गया है । इसके अलावा, नियम 2(च) के अनुसार विनिर्दिष्ट देश में ऐसा कोई देश शामिल होता है जो डब्ल्यू टी ओ का एक सदस्य है और जो ऐसा देश या क्षेत्र भी है जिसके साथ भारत सरकार ने परम मित्र राष्ट्र का व्यवहार प्रदान करने के लिए सहमति जताई है । वर्तमान मामले में समर्थनकर्ता निर्यातक सिंगापुर का है, जो डब्ल्यू टी ओ का एक सदस्य है ।
- (ग) भारत और बेलारूस के व्यापार तथा आर्थिक सहयोग करार के अनुसार भारत में बेलारूस को एम एफ एन का दर्जा प्रदान किया है ।
- (घ) इसके अलावा, प्राधिकारी ने डब्ल्यू टी ओ के गैर-सदस्य देशों को उन देशों के समान माना है, जो डब्ल्यू टी ओ के सदस्य हैं और ऐसे सभी मामलों में क्षति विश्लेषण किया है । एन एफ एन विभाग के अभाव में भी सुस्थापित परंपरा और नजीरें लागू होंगी । (ऐसे मामलों की एक सूची उपलब्ध कराई गई है जिसमें प्राधिकारी ने इन देशों को

बराबर का दर्जा प्रदान किया है) । यह तर्क स्वीकार्य नहीं है कि चूंकि बेलारूस डब्ल्यू टी ओ का सदस्य नहीं है, इसलिए क्षति/कारणात्मक संबंध का निर्धारण करने की जरूरत नहीं है ।

12. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर वर्तमान जांच परिणाम में उचित कार्रवाई की गई है ।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

घरेलू उद्योग के अनुरोध

13. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

- (क) बेलारूस गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला एक देश है । कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे और बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार हेतु उसकी पात्रता को सिद्ध करने की जिम्मेवारी न तो निर्दिष्ट प्राधिकारी और न ही घरेलू उद्योग पर है अपितु संबंधित कंपनी पर है ।
- (ख) बेलारूस में संबद्ध उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है अर्थात् वह भी राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है । अतः यह कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था की पात्र नहीं है ।
- (ग) निर्यातक को नियमों में निर्धारित 15 शर्तों को पूरा करना होता है । यदि इनमें से एक भी शर्त पूरी नहीं होती है तो निर्यातक को एम ई एस प्रदान नहीं किया जा सकता । याचिकाकर्ताओं ने यह अनुरोध किया है कि नियमों में उल्लिखित 15 शर्तों में से निर्यातक का एम ई एस से संबंधित दावा उस स्थिति में विफल हो जाना चाहिए यदि 15 मापदंडों में से एक भी मापदंड की पूर्ति नहीं होती है । यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि नियमों में 15 मापदंडों का प्रावधान है और एकमात्र मापदंड को पूरा कर दिए जाने पर भी घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो सकती है । तथापि, एम ई एस के संबंध में एक भी शर्त पूरी न होने की स्थिति में इस दावे को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए ।
- (घ) बेलारूस के लिए ताइवान या थाइलैंड पर एक उचित प्रतिनिधि देश के रूप में विचार किया जाए और इन देशों में एस जी ए सहित उत्पादन लागत पर सामान्य मूल्य के रूप में विचार किया जाए ।
- (ङ) घरेलू उद्योग ने भारत में परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का अनुरोध किया है ।

ए टी एम ए के अनुरोध

14. ए टी एम ए ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

- (क) ए टी एम ए ने प्रतिनिधि देश के रूप में थाईलैंड का विरोध किया है। रिलायंस संबंधी निर्णय में एकल देश के सामान्य मूल्य और समूचे देश को हुई क्षति को अनिवार्य बनाया गया है। इस समय प्राधिकारी संविधि में कोई संशोधन होने तक रिलायंस संबंधी निर्णय द्वारा बंधे हुए हैं न कि पाटनरोधी करार या संबंधित नियमों से। सामान्य मूल्य को निर्यातक या सेंचुरी एंका की सत्यापित कैप्रोलेक्टम की कीमत तथा सत्यापित परिवर्तन अनुपात पर आधारित किया जाना चाहिए।
- (ख) यह संभावना है कि एम ई टी प्रदान किए जाने पर भी अति अल्प पाटन मार्जिन पाटन के कारण नहीं हो सकता है अपितु स्वीकृत लेखा मानकों तथा लाभ की संभावनाओं में अंतर के कारण हो सकता है और एम ई टी से इन्कार किए जाने की स्थिति में पाटन मार्जिन भारत में परिकलित सामान्य मूल्य पर आधारित किया जाए।
- (ग) संबंधित पाटन तथा क्षति मार्जिन के लिए सहयोगी व्यापारी/निर्यातक की निर्यात कीमत पर विचार किया जाए।
- (घ) प्रकटन : चूंकि बेलारूस में एकमात्र उत्पादक है, इसलिए सामान्य मूल्य के निर्धारण या परिकलन सहित पाटन मार्जिन की गणना का जे एस सी ग्रोडनो खिमवोलोक्नो को पूर्ण प्रकटन किए जाने में गोपनीयता भंग होने का कोई मुद्दा नहीं बनता है।

जे एस सी ग्रोडनो खिमवोलोक्नो के अनुरोध

15. एकमात्र प्रतिवादी निर्यातक ने निम्नानुसार अनुरोध किया है :-

- (क) ग्रोडनो एक निजी कंपनी के रूप में कार्य करती है। आयात भी उसके जी डी पी के 65% बनते हैं। अतः इसे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए।
- (ख) बेलारूस द्वारा उत्पादन लागत पर सब्सिडी प्रदान नहीं की जाती है क्योंकि इसके संसाधन उसके स्थान, शिक्षित श्रमिक, जल (जिन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती) और वन (यह वनोत्पाद नहीं है) हैं।
- (ग) इसके अलावा, बेलारूस की सरकार का कीमतों पर कोई नियंत्रण नहीं है। कीमत की प्रवृत्तियां बाजार अर्थव्यवस्थाओं के समान हैं। इस प्रकार कीमतों में कोई खास विकृति नहीं है।
- (घ) बेलारूस के बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के मुद्दे पर अंतर सरकारी समाधान होना चाहिए।

- (ड) जे एस सी ग्रोडनो के स्वरूप के बारे में सूचना की गलत व्याख्या की गई थी । ग्रोडनो का कहना है कि यह एक वाणिज्यिक संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना है।
- (च) बेलारूस में विराष्ट्रीयकरण हो चुका है ।
- (छ) प्राधिकारी ने राज्य को ग्रोडनो के प्रमुख शेयरधारक के रूप में गलत ढंग से माना है ।

निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच

16. प्राधिकारी ने बेलारूस के ज्ञात उत्पादकों को निर्यातक प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली की प्रति भेजी । संबद्ध वस्तु के एकमात्र उत्पादक मै. जे एस सी ग्रोडनो खिमवोलोक्नो ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया है और संगत सूचना प्रदान की है । मै. ग्रोडनो खिमवोलोक्नो द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर की जांच की गई है । प्राधिकारी ने प्रदत्त सूचना का सत्यापन 8-9 जुलाई, 2009 को निर्यातक के परिसरों में किया और इस संबंध में एक विस्तृत दौरा रिपोर्ट जारी की ।

17. प्राधिकारी ने नोट किया कि संयंत्र की स्थापना वर्ष 1978 में की गई थी । उद्यम का एक संयुक्त स्टॉक कंपनी में पुनर्गठन बेलारूस गणराज्य के आर्थिक मंत्रालय के 10.9.2009 के आदेश सं. 127 के तहत वर्ष 2002 में किया गया था । पुनर्गठन रिपब्लिकन यूनीटरी एंटरप्राइज "ग्रोडनो प्रोडक्शन एसोसिएशन खिमवोलोक्नो" के रूप में किया गया था । जे एस सी "ग्रोडनो खिमवोलोक्नो " के संबंध में एल एल सी "लेखकरण एवं परामर्शी सेवाएं" "आडिक्स" की दिनांक 5.2.2009 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट सं. 3/1 से सांविधिक निधि की लेखा परीक्षा नामक पैरा 4.3 के अनुसार जे एस सी "ग्रोडनो खिमवोलोक्नो " की सांविधिक निधि *** रूबल बनती है । सांविधिक निधि को *** रूबल के प्रत्येक शेयर मूल्य वर्क के साथ *** सामान्य मूल्यवर्गीय शेयरों में विभाजित किया गया है । कंपनी ने वर्ष 2002 में जे एस सी बनाया था । उपर्युक्त पुनर्गठन के बाद कंपनी के अंशदाता निम्नानुसार बने रहे :-

- बेलारूस गणराज्य की संपत्ति हेतु राज्य समिति- *** रूबल की कुल राशि के लिए *** शेयर जो 99.9744% बनती है ।
- भौतिक निकाय रूबल की कुल राशि के लिए *** शेयर जो 0.0256% बनती है ।
(इस रिपोर्ट में मूल्य वर्गीय रूबल का तात्पर्य बेलारूस के रूबल से है)

18. जे एस सी "ग्रोडनो खिमवोलोक्नो " के पंजीकरण एवं विनियामक अनुपालनों का पर्यवेक्षण करने के लिए वर्ष 2002 में आयोजित शेयरधारकों की पहली आम बैठक में तेल एवं रसायन संबंधी बेलारूस की राज्य की कंपनी (बेलनेफ्टेखिम) को प्रभार दिया गया था । मै. जे एस सी ग्रोडनो का मुख्य शेयरधारक बेलारूस गणराज्य के आर्थिक मंत्रालय के अधीन

बेलारूस गणराज्य की संपत्ति संबंधी राज्य समिति है, जिसके पास 99.9744% शेयर हैं । इस प्रकार जे एस सी का स्वामित्व राज्य के पास है ।

19. सूचना के सत्यापन के दौरान यह दावा किया गया था कि कीमत निर्धारण के बारे में बेलारूस गणराज्य का 10 मई, 1999 का एक कानून एन 255-3 है, जिसमें यह उल्लेख है कि संगठन लागत से कम कीमत पर अपने उत्पादों की बिक्री नहीं कर सकते । कानूनी की प्रति उपलब्ध कराई गई थी । यह देखा गया था कि अध्याय-3 कीमत नियंत्रण के बारे में है । इस अध्याय के अनुच्छेद-7 के अनुसार बेलारूस के पण्य वस्तु बाजार में प्रमुख स्थिति रखने वाले और राज्य के रजिस्टर में शामिल आर्थिक प्रबंधन की संबंधित वस्तुओं के बारे में नियंत्रित कीमत (टैरिफ) लागू की जाती है । यह उल्लेख किया गया था कि एन टी सी एफ कीमत संबंधी इस कानून में शामिल नहीं है । तथापि, कंपनी ने यह उपलब्ध कराया कि बेलारूस गणराज्य के आर्थिक मंत्रालय का 22 अप्रैल, 1999 के संकल्प और प्रक्रिया एवं कीमत संरचना संबंधी विनियम 43 निम्नानुसार है :-

20. पैरा 2.1 औद्योगिक एवं आगे और उत्पादन करने के प्रयोजनार्थ वस्तुओं की बिक्री कीमत, उपभोक्ता वस्तु एवं सेवाओं के लिए टैरिफ (कार्य) की संरचना नियोजित स्वतः लागत के आधार पर की जाती है, स्थापित करें और गैर-कर संबंधी समस्त प्रकार के भुगतान कर एवं बजट विधान के अनुसार किए जाते हैं । पुनरुत्पादन हेतु आवश्यक लाभ का निर्धारण उत्पाद की गुणवत्ता (बेहतर, कार्य, सेवा) और बाजार स्थिति को ध्यान में रखकर किया जाता है ।

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून में केवल नियोजित लागत के आधार पर बिक्री कीमत की संरचना के दिशा निर्देशों का उल्लेख है और उसमें बिक्री कीमत/लागत औसत आदि का विशिष्ट रूप से विनियमन नहीं होता है ।

कच्ची सामग्री की खरीद

22. जहां तक मूलभूत कच्ची सामग्री का संबंध है, कंपनी ने यह उपलब्ध कराया था कि कंपनी ने मुख्य कच्ची सामग्री कैप्रोलेक्टम की खरीद दीर्घावधिक संविदा के आधार पर मै. जे एस सी ग्रीडनो एजोट (राज्य के स्वामित्व वाला एक अन्य उद्यम) से की थी । कंपनी ने ये विवरण उपलब्ध कराया जिसमें माह-वार औसत खरीद कीमत और रूबल की तुलना में अम.डॉ. की मासिक आधार पर परिवर्तन दर का उल्लेख है । लेखा बहियों से देखे गए यादृच्छिक आधार पर खरीद बाउचरों का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

दर रूबल में प्रति मी.ट.

बाउचर सं.	तारीख	दर
0594269	11.10.07	***
	05.10.07	***
0543328	11.04.07	***

0543373,74	11.04..07	***
0304863	05.06.07	***
0419061	27.11.07	***
0587212	30.12.07	***
0394186	10.03.08	***

23. कंपनी ने यह बताया था कि उन्होंने जे एस सी ग्रोडनो एजोट के साथ दीर्घावधि संविदा की है। यह निर्धारित करने के लिए कि क्या कीमतें प्रमुख कंपनी दर प्रमुख कंपनी आधार पर दूरवर्ती हैं और उस कारखाना कीमत से तुलनीय हैं जिस पर कैप्रोलेक्टम की बिक्री अन्य (अधिक दूरवर्ती) ग्राहक को की गई है। कंपनी ने इस संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत करने में असमर्थता व्यक्त की। यह बताया गया कि यह सूचना मै. जे एस सी ग्रोडनो एजोट के लिए गोपनीय है। यह समझा जाता है कि मै. जे एस सी ग्रोडनो एजोट भी राज्य के स्वामित्व वाला एक उद्यम है जिसे मै. जे एस सी "ग्रोडनो खिमवोलोक्नो" की तर्ज पर ही परिवर्तित किया गया है। उनके मामले में बेंजीन, जो कैप्रोलेक्टम के उत्पादन हेतु मूलभूत कच्ची सामग्री है, का आवंटन बेलारूस राज्य की तेल एवं रसायन कंपनी के नियंत्रण में है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त कंपनी को जे एस सी "ग्रोडनो खिमवोलोक्नो" के पंजीकरण एवं विनियामक अनुपालनों के पर्यवेक्षण हेतु शेयरधारकों की प्रथम आम बैठक में वर्ष 2002 में प्रभार सौंपा गया था।

24. कंपनी ने आगे यह उल्लेख किया था कि जांच अवधि के दौरान जे एस सी "ग्रोडनो खिमवोलोक्नो" द्वारा प्रदत्त कैप्रोलेक्टम की कीमत रुस जो कैप्रोलेक्टम उत्पादन करने वाला निकटतम बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है, से कैप्रोलेक्टम की कीमत से कम नहीं है, जहां से जे एस सी "ग्रोडनो खिमवोलोक्नो" स्थानीय रूप से उपलब्धता न होने की स्थिति में कैप्रोलेक्टम की खरीद कर सकता है। रुस किसी भी हालत में एम ई टी प्रदान किए जाने की स्थिति में बेलारूस के साथ तुलना करने के लिए सर्वाधिक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

25. कंपनी ने जांच अवधि के प्रत्येक माह के लिए कैप्रोलेक्टम की तुलनीय कीमतें प्रदान की हैं जैसी कि मै. जे एस सी ग्रोडनो एजोट से प्राप्त की गई है और जैसी कि रुस में प्रचलित हैं। उसी तालिका में रूबल/अम.डॉ. के लिए माह वार विनिमय दर भी प्रदान की गई है। ब्योरे निम्नानुसार हैं :-

कीमत अम.डॉ. प्रति मी.टन में		
माह	बेलारूस में जे एस सी ग्रोडनो द्वारा खरीद कीमत	रुस में प्रचलित कीमतें
अप्रैल, 2007	***	***
मई, 2007	***	***

जून, 2007	***	***
जुलाई, 2007	***	***
अगस्त, 2007	***	***
सितंबर, 2007	***	***
अक्टूबर, 2007	***	***
नवंबर, 2007	***	***
दिसंबर, 2007	***	***
जनवरी, 2008	***	***
फरवरी, 2008	***	***
मार्च, 2008	***	***
अप्रैल, 2008	***	***

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सुझाए गए रूसी बाजार में प्रचलित कीमत की तुलना में कंपनी द्वारा कैप्रोलेक्टम की राज्य की स्वामित्व वाली अन्य कंपनी को प्रदत्त कीमत में भारी अंतर है ।

27. कंपनी ने प्राकृतिक गैस की खरीद, प्रोडक्शन रिपब्लिकन यूनिटरी एंटरप्राइजेज "ग्रोडनूब्लेगज" से की है । खरीद *** अम.डॉ. की रेंज में की गई है । अलग-अलग महीनों के लिए प्राकृतिक गैस की खरीद कीमत अर्थात् अप्रैल, 07 (*** अम.डॉ.), मई, 07 (*** अम.डॉ.), अगस्त, 2007 (*** अम.डॉ.) तथा फरवरी, 2008 (*** अम.डॉ.) की प्रति उपलब्ध कराई है । कंपनी ने यह दावा किया है कि प्राकृतिक गैस समान कीमत पर समस्त ग्राहकों के लिए उपलब्ध है ; लेकिन आम प्रयोक्ता के लिए बाजार में प्रचलित कीमत प्रदान नहीं की जा सकी ।

28. कंपनी ने उसके द्वारा खरीदे/बेचे गए कॉर्ड फैब्रिक के प्रकारों की सूची प्रदान की है । भारत को निर्यातित प्रकार *** तथा *** थे । इन ग्रेडों की बिक्री घरेलू बाजार में नहीं की गई है या इनका निर्यात तीसरे देश (रूस) को नहीं किया गया है ।

भारत को निर्यात

29. जांच अवधि के दौरान कंपनी ने व्यापारी मै. कैप्सको, सिंगापुर के जरिए *** मात्रा (बिड़ला टायर हेतु) और *** मी.ट. (अपोलो टायर हेतु) का निर्यात किया है) । कंपनी ने निम्नानुसार ब्यौरा भी उपलब्ध कराया है :-

मात्रा किग्रा में				
अवधि	बेलारूस	रूस	भारत	अन्य
01.04.07 से 31.12.07	***	***	***	***
01.01.08 से	***	***	***	***

31.03.08				
योग	***	***	***	***

30. जांच अवधि के दौरान इसका कुल योग *** किग्रा. की बिक्री बनता है । कंपनी से यह कहा गा था कि वह भारत को किए गए निर्यातों के साथ तुलना करने के लिए बेलारूस में की गई घरेलू बिक्री का ब्यौरा प्रदान करे । ग्राहकों, बिक्री कीमत, समायोजनों आदि के संबंध में किसी अन्य ब्यौरे के बिना कुल *** मी.ट. की बिक्री के ही आंकड़े प्रदान किए गए थे । जहां तक रूस को किए गए निर्यातों का संबंध है, कंपनी ने बीजक सं., तारीख, बिक्री कीमत प्रति टन अम.डॉ. में, मात्रा, सकल/निवल बीजक मूल्य अम.डॉ. में के ब्यौरे प्रदान किए, जिसमें फैब्रिक के प्रकार का उल्लेख नहीं है ।

31. जहां तक भारत को किए गए निर्यातों का संबंध है, प्रोफार्मा बीजक सहित निर्यात बीजकों, बैंक अंतरण राशि, सामान्य दस्तावेजों, बीजक की प्रति, पैकिंग सूची, उद्गम प्रमाण पद्ध, धुलाई हेतु बिल्टी की कॉपी और ग्रोडनो में सीमाशुल्क घोषणा पत्र का सत्यापन किया गया था ।

32. कंपनी द्वारा अपने व्यापारी मै. कैप्सको सिंगापुर के जरिए निर्यात किया जा रहा है । निर्यात से संबंधित अग्रेषण व्यय जे एस सी ग्रोडनो द्वारा किए जाते हैं । इस कारण किए गए समस्त समायोजन जांचे गए और तुलना किए गए नमूना बीजकों में उल्लिखित संविदा राशि से मेल खाते हैं ।

33. कंपनी ने स्वीकार किया है कि कंपनी में स्वामित्व/प्रमुख शेयर धारक बेलारूस गणराज्य की संपत्ति संबंधी राज्य समिति है जो रिपब्लिकन (राष्ट्रीय) स्तर पर राज्य की एक कंपनी है । इस कंपनी की स्थापना रिपब्लिकन यूनिटरी एंटरप्राइज "प्रोडक्शन एसोसिएशन खिमवोलोक्नो ग्रोडनो" के पुनर्गठन द्वारा गणराज्य के आर्थिक कार्य मंत्रालय के दिनांक 10.9.2002 के आदेश सं. 127 के आधार पर की गई थी । ऐसी स्थिति होने के कारण राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता । जिस कीमत पर इस कंपनी को राज्य की स्वामित्व वाली अन्य कंपनी को मूलभूत कच्ची सामग्री कैप्रोलेक्टम की आपूर्ति की गई है और जिस कीमत पर यह अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध है और यहां तक कि सुझाए गए बाजार रूस में भी उपलब्ध है, उस कीमत में भारी अंतर से सब्सिडी प्रदान किए जाने की संभावना का संकेत मिलता है । यह संभावना इस बात के मद्देनजर और बढ़ जाती है कि आपूर्तिकर्ता कंपनी भी राज्य के स्वामित्व में है और उसे जे एस सी ग्रोडनो खिमवोलोक्नो के पुनर्गठन का कार्य सौंपा गया था । उपर्युक्त के मद्देनजर अंतिम निर्धारण हेतु प्राधिकारी ने इस कंपनी को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालनरत कंपनी माना है ।

बेलारूस के लिए सामान्य मूल्य

34. जैसा कि नोट किया गया है कि सहयोगी उत्पादक/निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया गया है अतः बेलारूस के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाएगा ।

35. सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में अनुबंध-1 के पैरा 7 में निम्नानुसार उपबंध है:

- (1) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

36. घरेलू उद्योग ने उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में थाइलैंड या चीनी ताइपेई पर विचार करने का सुझाव दिया । तथापि, आवेदक ने भारत में उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया । बाद में घरेलू उद्योग ने थाईलैंड में एक उत्पादक मै. थाई बड़ौदा इंडस्ट्री लि.-थाइलैंड से सामान्य मूल्य के बारे में सूचना प्रस्तुत की ।

37. ए टी एम ए तथा बेलारूस के सहयोगी उत्पादक/निर्यातक ने उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में थाइलैंड पर विचार करने का विरोध किया और यह उल्लेख किया कि "थाइलैंड बेलारूस के लिए उचित प्रतिनिधि देश नहीं है क्योंकि यह बेलारूस और भारत की तुलना में उच्च आय वाला देश है । इसके अलावा, यह दोनों में से किसी के साथ तुलनीय नहीं है और चूंकि यह एकमात्र संबंधित उत्पादक से प्राप्त सूचना है और इसमें थाई एन टी सी एफ उद्योग का समग्र रूप में प्रदर्शन नहीं होता है और चूंकि यह एकमात्र उत्पादक (रिलायंस संबंधी निर्णय के विपरीत जिसमें व्यापक विचार की परिकल्पना की गई है)" । यह भी उल्लेख किया गया है कि नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में परिकल्पित विकल्प प्रयोज्य नहीं है ।

38. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रथम विकल्प के रूप में तीसरे देश पर विचार करने का विशिष्ट रूप से उपबंध

है । अतः हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिया गया तर्क कानूनन स्वीकार्य नहीं है । तथापि, प्राधिकारी ने थाइलैंड के एक उत्पादक से प्रदत्त सामान्य मूल्य से संबंधित आंकड़ों और भारत में उत्पादन लागत पर आधारित परिकलित सामान्य मूल्य की तुलना की है और यह नोट किया कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर आधारित परिकलित मूल्य थाइलैंड, जिसके आंकड़े घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किए हैं, के उत्पादक से कम है । अतः प्राधिकारी ने "किसी अन्य उचित आधार पर" की पद्धति के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है ।

बेलारूस के लिए परिकलित सामान्य मूल्य

39. सामान्य मूल्य का परिकलन भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर कच्ची सामग्री (कैप्रोलेक्टम), सहयोगी निर्यातक के खपत संबंधी मानदंड, घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत के आधार पर किया है । इसमें सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है । इस पद्धति से केवल ग्रे फैब्रिक हेतु सामान्य मूल्य का परिकलन *** अम.डॉ. प्रति कि.ग्रा. के रूप में किया गया है क्योंकि बेलारूस से हुए आयातों की सूचना केवल इस ग्रेड के बारे में दी गई है ।

ग्रोडनो के लिए निर्यात कीमत

40. मै. ग्रोडनो ने परिशिष्ट-2 में भारत को हुए निर्यात के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है । यह उल्लेख किया गया है कि भारतीय बाजार के लिए उत्पाद का भारत को पोतलदान किया जाता है परंतु उसकी बिक्री असंबद्ध फर्म मै. कैप्सको प्रा.लि. (कैप्सको), सिंगापुर को प्रमुख कंपनी दर प्रमुख कंपनी आधार पर की जाती है जो ग्रोडनो खिम्बोलोवनो को अग्रिम रूप में भुगतान करती है । जांच अवधि के दौरान कंपनी ने भारत को *** मी.ट. ग्रे फैब्रिक का निर्यात किया है । प्राधिकारी ने ग्रोडनो में निर्यात कीमत के बारे में किए गए समायोजनों का सत्यापन किया है । सत्यापन सिंगापुर स्थित व्यापारी मै. कैप्सको में भी किया गया है । दावा किए गए अनुसार समायोजनों की अनुमति सत्यापन के बाद दी गई है । प्राधिकारी ने ग्रोडनो स्थित कंपनी द्वारा किए गए दावे के अनुसार निवल निर्यात कीमत की अनुमति दी है । ग्रे फैब्रिक के लिए निवल निर्यात कीमत *** अम.डॉ. प्रति किग्रा. बनती है ।

प्रतिवादी निर्यातक के मामले में पाटन मार्जिन

41. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है ।

पाटन मार्जिन

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल ग्रोडनो खिम्बोलोवनो ने ही प्राधिकारी को उत्तर दिया है और प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया है । बेलारूस के किसी अन्य निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है । बेलारूस के असहयोगी निर्यातकों के मामले में निर्यात

कीमत ग्राइडनो खिम्बोलोक्नो की उचित वाणिज्यिक मात्रा की न्यूनतम निर्यात कीमत पर विचार करते हुए ली गई है। तदनुसार निर्धारित पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है :

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य अम.डॉ./किग्रा.	निर्यात कीमत अम.डॉ./किग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डॉ./किग्रा.	पाटन मार्जिन %
ग्राइडनो	***	***	***	25.08
अवशिष्ट	***	***	***	31.50

43. यह नोट किया जाता है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमाओं से काफी अधिक है।

क्षति निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध की जांच

44. वर्तमान जांच बेलारूस से संबद्ध उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए है। विचाराधीन उत्पाद पर 31 मार्च, 2009 की अधिसूचना के तहत पाटनरोधी शुल्क संबंधी पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत चीन से हुए आयातों पर भी पाटनरोधी शुल्क लागू है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

45. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

- क. क्षति अवधि के दौरान बेलारूस से हुए आयातों में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष में आयात नगण्य थे जिनमें उसके बाद भारी वृद्धि हुई। चीन पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद आयात एक नए स्रोत अर्थात् बेलारूस से होने शुरू हो गए हैं।
- ख. भारत में उत्पाद की मांग में बेलारूस का बाजार हिस्सा नगण्य से काफी अधिक बढ़ गया है।
- ग. घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों में वृद्धि हुई है।
- घ. बेलारूस से आयातों की सीआईएफ कीमत तथा भारत में बिक्री कीमत के बीच काफी अंतर है। आयातों से भारतीय कीमतों में कटौती हो रही है।
- ङ. चीन के साथ-साथ बेलारूस से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपना उत्पादन सीमित करने के लिए बाध्य हुआ है। विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि होने पर भी घरेलू उद्योग के पास अप्रयुक्त क्षमता पड़ी हुई है।
- च. 30-35% तक कम कीमत पर बिक्री हुई है।

1905-06 और जांच अवधि के बीच जहां उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों गिरावट आई, वहीं बिक्री कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट से अधिक रही थी। इस प्रकार आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत का हराया जा रहा था।

जांच के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ में इतनी अधिक गिरावट आई कि घरेलू को जांच अवधि में भारी वित्तीय घाटा हुआ। आगे यह भी अनुरोध किया गया है कि लाभ में भी भारी गिरावट आई है। लगाई गई पूंजी पर आय में इतनी गिरावट आई कि जांच अवधि में यह आय ऋणात्मक हो गई।

उद्योग के पास मालसूची के स्तर में अत्यधिक वृद्धि हुई।

क्षमता में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का ह्रास हुआ।

दीर्घावधिक पाटन के कारण रोजगार एवं मजदूरी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

अनुरोध

म ए ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

चेका घरेलू उद्योग ने दायर की है जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति की पुष्टि के लिए पर्याप्त और सही आंकड़े उपलब्ध कराने में विफल रहा है।

अगोपनीय आंकड़ों को गोपनीय होने का दावा किया गया है।

उद्योग द्वारा दायर आंकड़ों में कई विसंगतियां हैं।

जांच के दौरान प्रभावित बिक्रियां इस कार्यनीतिक व्यापार संबंधी निर्णय के हुई होंगी न कि एन टी सी एफ के आयातों से हुई किसी क्षति के कारण। एफ की वार्षिक रिपोर्टों में दिए गए आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है। नाइलोन व मध्यवर्ती उत्पादों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पूर्ववर्ती वर्ष में इसने ऐसे यानों न्य विविधीकृत उत्पादों के लिए आर एंड डी केन्द्र की स्थापना की है।

जांच के लिए एस आर एफ की वार्षिक रिपोर्ट में ऐसी विसंगति का स्पष्टीकरण देने के कारण एन टी सी एफ की उत्पादन मात्रा में त्रुटि की सूचना दी गई। इस विसंगति से खासकर मात्रात्मक प्रभाव और कथित एन आई पी के संबंध में उद्योग के क्षति के दावे में लगभग 35% से अधिक की विकृति आई है, जिसमें केया जाना है।

- च. जांच अवधि में विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई थी । इसके अलावा, घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा भी 48% से बढ़कर 56% हो गया जिसके कारण आयातों से कोई क्षति नहीं हुई है ।
- छ. चीन जन.गण. से एन टी सी एफ के आयातों के लिए टी पी एस एस जी याचिका समाप्त किए जाने से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति किसी अन्य कारण से हुई है न कि आयातों के कारण ।
- ज. सिद्ध करने का दायित्व घरेलू उद्योग पर होता है और प्राधिकारी को यह सिद्ध करना होता है कि बेलारूस से हुए आयातों के कारण क्षति की मात्रा का पता लगाने और उसका आकलन करने के लिए कारणात्मक संबंध मौजूद है ।
- झ. घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई कुल क्षमता 61,789 मी.ट. है जो 68,000 मी.ट. की वास्तविक क्षमता के प्रतिकूल है जैसा कि दोनों कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट में अनुरोध किया गया है । इसके अलावा, प्रपत्र IV क की तुलना में वार्षिक रिपोर्टों में उत्पादन का आंकड़ा 10,916 मी.ट. तक कम दर्शाया गया है । इसके परिणामस्वरूप संवर्धित उत्पादन लागत, कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत कटौती और गलत एन आई पी, लाभप्रदता एवं नकद प्रभाव का उल्लेख किया गया है ।
- ञ. उत्पादन कम बताए जाने के कारण अप्रयुक्त क्षमता का विश्लेषण गलत हो गया है । इसका प्रति कर्मचारी उत्पादकता एवं लगाई गई अधिक पूंजी, प्रति इकाई उत्पादन के निर्धारण पर भी ऋणात्मक प्रभाव पड़ा है, जिसके लिए लगाई गई पूंजी पर अधिक आय अपेक्षित है । मात्रात्मक प्रभाव भी विकृत तथा अधिक हो गया है, जिसकी वजह त्रुटिपूर्ण उत्पादन आंकड़े हैं ।
- ट. घरेलू उद्योग ने बिक्री मात्रा के गलत आंकड़े प्रदान किए हैं । उत्पाद के अथ और इति स्टॉकों की तुलना करने पर यह स्पष्ट हो जाता है । इसके अलावा, याचिका के प्रपत्र IV क में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा वार्षिक रिपोर्ट में दर्शायी गई 68424 मी.ट. की तुलना में 58,984 मी.ट. मानी गई है ।
- ठ. पूर्ववर्ती 3 वर्षों के आंकड़ों में विसंगति है । एस आर एफ द्वारा वार्षिक रिपोर्टों में आंकड़ों को कम बताने की संभावना है । यदि ऐसा मामला है तो इसे घरेलू उद्योग का संघटक नहीं माना जाना चाहिए ।
- ड. घरेलू उद्योग बढ़ती हुई मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं था । इसके अलावा, कुल मांग को भी कम बताया गया है ।

- ढ. समस्त क्षति मापदंडों के लिए घरेलू उद्योग द्वारा सही आंकड़े प्रस्तुत करने के बारे में पुनः सार्वजनिक सुनवाई किए जाने की जरूरत है ।
- ण. एस आर एफ की उक्त जांच अवधि की वार्षिक रिपोर्ट में कैप्रोलेक्टम की परिवर्तन लागत में अचानक वृद्धि अथवा बिक्री के ये आंकड़े किस प्रकार उत्पादन से अधिक हैं और अतिरिक्त बिक्री कहां से की गई है अथवा क्या एस आर एफ द्वारा की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य थाइलैंड को वस्तु के प्रेषण को सुकर बनाना है, के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है । एस आर एफ द्वारा याचिका में इसका कोई खुलासा नहीं किया गया है । क्षमता उपयोग के आंकड़ों में विकृति की जाएगी ।
- त. कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि उत्पादन लागत/क्षति रहित कीमत बढ़ा-चढ़ा कर दिखाई गई है जो उपर्युक्त सूचीबद्ध अन्य विकृतियों के अलावा, गलत उत्पादन मात्रा पर आधारित है ।
- थ. एस आर एफ की वार्षिक रिपोर्टों में सूचित कैप्रोलेक्टम की लागत गलत है । एस आर एफ एवं सेंचुरी एंका की कीमतों में अंतर है जिससे यह पता चलता है कि एस आर एफ ने मॉडवेट समायोजन नहीं किए हैं ।
- द. उत्पादन कम बताए जाने के कारण क्षति निर्धारण में क्षमता उपयोग भी कम बताया गया है । इसके परिणामस्वरूप प्रति इकाई उत्पादन के लिए लगाई गई पूंजी का निर्धारण अधिक हुआ है, जिसके लिए लगाई गई पूंजी पर अधिक आय अपेक्षित है ।
- ध. कंपनी की वार्षिक रिपोर्टों में पाटन के कारण हुई क्षति का कोई उल्लेख नहीं है जिसे नहीं किया जा सकता क्योंकि कंपनी सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी है ।
- न. अन्य घरेलू उत्पादकों के निर्गम को प्रोत्साहित कर घरेलू उत्पादन को एकीकृत करने के लिए घरेलू उद्योग की व्यापार प्रतिबंधात्मक बाजार नीतियां हैं । ऐसा एस आर एफ की जांच अवधि से संबंधित वार्षिक रिपोर्ट में प्रदर्शित होता है ।
- प. i. भारत में टायर की कम कीमतों का मूल्य श्रृंखला पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।
- बायस टायरों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क ।
 - बायस टायरों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वृद्धि हेतु एमटीआर की शुरुआत ।
 - यात्री कार टायरों के आयातों के संबंध में टी पी एस एस जी चीन के लिए अनुरोध ।
 - कुछेक रेडियल टायरों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।

- ii. चीन से एन टी सी एफ के आयातों की टी पी एस एस जी जांच की शुरुआत जिससे क्षति के प्रथमदृष्ट्या अन्य स्रोतों (पाटन से भिन्न) का पता चलता है ।
- फ. क. आर्थिक मंदी के कारण जांचोत्तर अवधि में आयातों में गिरावट आई ।
ख. मुद्रा की गतिशीलता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है - जांच अवधि के दौरान भारतीय रुपया अत्यधिक मजबूत हुआ है और जांच अवधि के बाद रुपए के मूल्य में अत्यधिक गिरावट आई है ।
- ब. चीन जन.गण. से एन टी सी एफ के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की राशि बढ़ाने के लिए एसएसआर ।
- भ. ए टी एम ए प्रतिनिधि देश के रूप में थाइलैंड का विरोध करता है । रिलायंस संबंधी निर्णय ने एकल देश के सामान्य मूल्य तथा देशव्यापी क्षति को अनिवार्य बनाया गया है । प्राधिकारी संविधि में कोई संशोधन होने तक इस समय रिलायंस संबंधी निर्णय से बंधे हुए हैं न कि इन पहलुओं के संबंध में पाटनरोधी करार या नियमों से । सामान्य मूल्य निर्यातक या सेंचुरी एंका की सत्यापित कैप्रोलेक्टम कीमत तथा सत्यापित परिवर्तन अनुपात पर आधारित होना चाहिए ।
- (म) यह संभावना है कि एम ई टी प्रदान किए जाने पर भी अति अल्प पाटन मार्जिन पाटन के कारण नहीं हो सकता है अपितु स्वीकृत लेखा मानकों तथा लाभ की संभावनाओं में अंतर के कारण हो सकता है और एम ई टी से इन्कार किए जाने की स्थिति में पाटन मार्जिन भारत में परिकलित सामान्य मूल्य पर आधारित किया जाए ।
- (य) संबंधित पाटन तथा क्षति मार्जिन के लिए सहयोगी व्यापारी/निर्यातक की निर्यात कीमत पर विचार किया जाए ।

ग्रेडनो खिमवोलोक्नो के अनुरोध

47. अपने अनुरोधों में उन्होंने निम्नानुसार अनुरोध किया है :-

- i. बाजार खंड और कोई कारणात्मक संबंध नहीं ।
- ii. घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण आयातों को नहीं माना जा सकता । भारत में कीमत में गिरावट सर्वप्रथम बायस टायर उद्योग और तत्पश्चात रेडियल टायरों के खराब निष्पादन के कारण आई है ।
- iii. इसके अलावा, आयात अलग-अलग बाजार खंडों में प्रतिस्पर्धा करते हैं और उनका अलग मूल्यांकन किया जाना चाहिए:

क. शुल्क प्रदत्त (जिसमें कोई अतिरिक्त शुल्क शामिल है परंतु वह उसी तक सीमित नहीं है) बाजार खंड ।

ख. स्थापित सार्वजनिक नीति में निर्यातों की प्राथमिकता के कारण शुल्क मुक्त (जिसमें कोई अतिरिक्त शुल्क शामिल है परंतु वह उसी तक सीमित नहीं है) बाजार खंड।

- iv. शुल्क मुक्त बाजार खंड द्वारा आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क वसूल नहीं किया जाएगा। अतः प्राधिकारी को पाटनरोधी जांच और समीक्षाओं के प्रयोजनार्थ ऐसे खंड द्वारा किए गए आयातों पर विचार नहीं करना चाहिए।
- v. बाजार खंड का एक बार निर्धारण हो जाने के बाद बेलारूस का बाजार हिस्सा अधिक नहीं रह गया है और न केवल पहुंच मूल्य अपितु भारत में शुल्क संदेय बाजार खंड को बिक्री की निर्यात कीमत भी अधिक है और यह कि आयातों के कारण हुई कोई क्षति अन्य देशों से हुए निर्यातों के कारण हुई होगी।
- vi. जांच अवधि में ग्रीडनो द्वारा अधिकांश निर्यात शुल्क मुक्त बाजार खंड को किए गए हैं और शुल्क मुक्त खंड को की गई बिक्री पर किसी भी हालत में कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं होगा। इसके अलावा, शुल्क संदेय बाजार खंड द्वारा बेलारूस से किए गए आयात न्यूनतम सीमा से अधिक नहीं होंगे।

प्राधिकारी द्वारा जांच

48. डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) सामान्य उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का अनुवर्ती प्रभाव, दोनों की वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा अत्यधिक मात्रा में कीमतों में अवमूल्यन या कीमत वृद्धि जो कि अन्यथा काफी अधिक हुई होती, को रोकने के रूप में हुआ है।

मांग का आकलन

49. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयात की राशि के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार आकलित मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है।

मांग	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	46,117	46,897	54,273	58,984
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	7,592	6,050	7,037	3,530
संबद्ध देश से आयात	मी.ट.	18	1707	3208	4273

अन्य देश से आयात	मी.ट.	41427	46312	42571	37751
मांग	मी.ट.	95154	100966	107089	104538

50. यह देखा जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातकों के अनुरोध के अनुसार जांच अवधि के दौरान बेलारूस से निर्यात डीजीसीआईएंड एस द्वारा सूचित 3923 मी.ट. की तुलना में 4273 मी.ट. के हुए थे जिसमें भी डीजीसीआईएंडएस की सूचना की तुलना में अधिक निर्यातों का पता चलता है। तथापि, निर्यातों के सत्यापन के अधीन प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातक के आंकड़ों पर भरोसा किया है।

51. क्षति की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रात्मक तथा कीमत प्रभावों तथा कीमत एवं लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति एवं पाटन और क्षति, यदि कोई हो, के बीच कारणात्मक संबंध की जांच की जा सके।

मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

52. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है :

पाटित आयातों की मात्रा और उनका बाजार हिस्सा

53. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है :-

आयात मी.टन में	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
बेलारूस	18	1707	3208	4273
चीन जन.गण. जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	21594	28021	23339	17204
अन्य देश	19833	18292	19232	20547
कुल आयात	41445	48019	45779	42024
आयातों में बाजार हिस्सा				
बेलारूस	0.04	3.55	7.01	10.17
चीन	52.10	58.35	50.98	40.94
अन्य देश	47.85	38.09	42.01	48.89

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि

क. चीन पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद आयात एक नए स्थान बेलारूस से शुरू हो गए हैं;

- ख. बेलारूस से हुए आयातों में समग्र रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है;
- ग. आधार वर्ष में बेलारूस का बाजार हिस्सा नगण्य था जो बढ़कर देश में कुल आयातों का लगभग 10% हो गया ।
- घ. बेलारूस से हुए आयात समग्र रूप में और भारत में उत्पादन तथा खपत की तुलना में अत्यधिक हैं ।
- ङ. विभिन्न स्रोतों से भारत में आयातित उत्पाद डिण्ड तथा ग्रे रूप में है तथापि, बेलारूस से केवल ग्रे का आयात किया जा रहा है ।

मांग में बाजार हिस्सा

55. विभिन्न स्रोतों से हुए आयातों और भारतीय उत्पादकों की बिक्री पर विचार करते हुए भारत में मांग में संबद्ध देश का बाजार हिस्सा निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

		2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
मांग	मी.ट.	95154	100966	107089	104538
मांग में बाजार हिस्सा					
घ.उ.	%	48.47	46.45	50.68	56.42
अन्य भारतीय उत्पादक	%	7.98	5.99	6.57	3.38
भा.उ.	%	56.44	52.44	57.25	59.80
बेलारूस	%	0.02	1.69	3.00	4.09
अन्य देश	%	43.54	45.87	39.75	36.11

56. यह देखा जाता है कि बेलारूस से मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में नगण्य से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 4.09% हो गया ।

(ख) पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

57. घरेलू उद्योग की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है । इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है ।

58. भारत में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री दो ग्रेडों-ग्रे और डिण्ड में की जाती है । तथापि, खपत के समय इसकी खपत केवल डिण्ड रूप में की जाती है । जब ग्राहक ग्रे फैब्रिक की खरीद करता है तो उपभोक्ता उसे डिण्ड करता है । यह देखा गया है कि बेलारूस से आयातित उत्पाद मुख्यतः ग्रे रूप में है । उत्पाद के ग्रे और डिण्ड रूप के बीच लागत एवं कीमत अंतर को ध्यान में रखते हुए और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि संबद्ध देश से

कम कीमत पर बिक्री की रेंज	%	30-35
---------------------------	---	-------

कीमतहास/न्यूनीकरण

62. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या पाटित आयातों के प्रभाव से भारत में समान वस्तु की कीमत में हास हुआ है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती। प्राधिकारी ने बनाने और बेचने की लागत में प्रवृत्ति की जांच की है और उसकी तुलना आयातों की बिक्री कीमत तथा पहुंच कीमत के साथ की है।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	169.24	179.56	170.78	145.96
घ.उ. की बिक्री कीमत (ग्रे)	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	109	100	96
घ.उ. की उत्पादन लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	112	110	108
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	83	16	(9)

63. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि उत्पादन लागत में वर्ष 2004-05 और 2005-06 के बीच वृद्धि हुई है। तथापि, उसके बाद गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भी वर्ष 2005-06 में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और तत्पश्चात गिरावट आई है। इस प्रकार वर्ष 2005-06 और जांच अवधि के बीच यद्यपि उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में गिरावट आई है, तथापि बिक्री कीमत में आई गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट की वजह से काफी अधिक हुई थी। इस प्रकार पाटित आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत का हास किया जा रहा था।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

64. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे आयातों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन उत्पादों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, निम्नो में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव सहित समस्त संभव आर्थिक कारकों और घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों का तथ्यपरक एवं पक्षपात रहित मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच निम्नानुसार है :-

क्षमता तथा क्षमता उपयोग

65. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :-

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
क्षमता मी.ट.	मी.ट.	44,650	45,289	51,008	61,789
क्षमता उपयोग %	%	105.17	107.39	110.26	98.08
मांग	मी.ट.	95154	100966	107089	104538

66. यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग ने उत्पाद की बढ़ती हुई मांग के अनुरूप इस अवधि के दौरान क्षमता में वृद्धि की है। घरेलू उद्योग ने स्थापित क्षमता से भी अधिक क्षमता का उपयोग किया है; तथापि चीन के साथ-साथ बेलारूस से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग उत्पादन को सीमित करने के लिए बाध्य हुआ है। यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2007-08 में क्षमता उपयोग वर्ष 2004-05 के स्तर से कम बना रहा।

उत्पादन

67. घरेलू उद्योग का उत्पादन निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
उत्पादन मी.ट.	मी.ट.	46,958	48,637	56,240	60,605
मांग	मी.ट.	95,154	100,966	107,089	104,538
मांग के संबंध में उत्पादन	%	49.35	48.17	52.52	57.97

68. यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। तथापि, संवर्धित उत्पादन के बावजूद देश में पाटन के कारण लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।

बिक्री

69. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
बिक्री	मी.ट.	46,117	46,897	54,273	58,984
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	118	128
मांग	मी.ट.	95154	100966	107089	104538
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	113	110

मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	48.46	46.44	50.68	56.42
मांग में भारतीय उद्योग का बा.हि.	%	56.44	52.44	57.25	59.80

70. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि बिक्री मात्रा में वृद्धि के बावजूद देश में पाटन के कारण लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।

लाभ/हानि, नकद लाभ तथा निवेश पर आय

71. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

लाभप्रदता	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
लाभ/हानि (ग्रे)	रु./किग्रा.	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति		100	83	16	(9)
एन टी सी एफ में कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति		100	75	9	(39)
एन टी सी एफ में ब्याज तथा कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति		100	82	33	(10)
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	85	55	37
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति		100	63	18	(6)

72. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग के लाभ में क्षति अवधि के दौरान पर्याप्त गिरावट आई है। गिरावट इतनी अधिक रही है कि घरेलू उद्योग को क्षति अवधि में भारी वित्तीय घाटा हुआ है। इसके अलावा, लाभ में यह गिरावट बिक्री मात्रा में सतत पर्याप्त वृद्धि के बावजूद आई है। आगे यह नोट किया जाता है कि नकद लाभ में भी अत्यधिक गिरावट आई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि में लगाई गई पूंजी पर आय नकारात्मक हो गई है।

मालसूचियां

73. घरेलू उद्योग की मालसूचियों की स्थिति निम्नानुसार रही है :

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
मालसूचियां	मी.ट.	774	938	1,303	1,299
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	168	168

74. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास मालसूचियों में भारी वृद्धि हुई है ।

उत्पादकता

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षमता और उत्पादन में वृद्धि के अनुरूप घरेलू उद्योग की उत्पादकता में समग्र रूप में वृद्धि हुई है । तथापि, क्षमता में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है ।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	29	29	30	31
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	103	109

रोजगार तथा मजदूरी

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस तथ्य को मद्देनजर रखते हुए कि याचिकाकर्ता बहु-उत्पाद कंपनियां हैं, रोजगार एवं मजदूरी प्रभावित नहीं हुई है । तथापि, सतत रूप से दीर्घावधिक पाटन के कारण रोजगार एवं मजदूरी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । यह नोट किया जाता है कि एन आर सी तथा निलॉन के मामले में पाटन के कारण संयंत्रों को बंद करना पड़ा है और रोजगार का कुल नुकसान हुआ है ।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की बाजार मांग में वृद्धि हो रही है । तथापि, संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के दोनों संघटकों की बिक्री कीमत से कम है । अतः यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि आपसी प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक है जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट आ सकती है ।

78. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ आयातों की पहुंच कीमत की तुलना निम्नानुसार दर्शायी गई है ।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
आयात मात्रा	मी.ट.	18	1707	3208	4273
पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	169.24	179.56	170.78	154.96
घ.उ. की बिक्री कीमत	रू./किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	109	101	96

79. यह देखा गया है कि बेलारूस से हुए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में लगातार कटौती हो रही है। परिणामतः घरेलू उद्योग उसकी कीमत संरचना में हुए परिवर्तनों में अपनी कीमत को समायोजित करने में असमर्थ रहा है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में उतार-चढ़ाव आयातों की पहुंच कीमत के अनुरूप हुआ है। परिणामतः घरेलू उद्योग के समक्ष ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें क्षति अवधि के दौरान बिक्री कीमत में हुई वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्ध से काफी कम रही है।

पाटन मार्जिन की मात्रा

80. यह देखा गया है कि बेलारूस के मामले में पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु अत्यधिक भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव काफी अधिक है। यह नोट किया जाता है कि निर्यातक पाटन की मात्रा में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी कर रहा है।

वृद्धि

81. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि उत्पादन एवं बिक्री जैसे मात्रात्मक मापदंडों के संबंध में संकारात्मक वृद्धि रही है, तथापि विभिन्न कीमत संबंधी मापदंडों के बारे में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में इतनी अधिक गिरावट आई है कि लाभ पूर्णतः समाप्त हो गए हैं और घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ है। जांच अवधि में निवेश पर आय नकारात्मक रही है।

पूंजी जुटाने की क्षमता

82. यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2006-07 तक घरेलू उद्योग द्वारा नया निवेश किया गया था। तथापि घरेलू उद्योग ने उस चरण तक बेहतर लाभप्रदता हासिल की थी। इसके अलावा, दोनों कंपनियों बहु उत्पाद कंपनियां हैं और इन्हें उत्पाद संबंधी अन्य कार्यकलापों से सहायता मिलनी चाहिए। तथापि, उत्पाद के सतत पाटन से निश्चित तौर पर पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा होगा।

क्षति के बारे में निष्कर्ष

83. उपर्युक्त क्षति संबंधी मापदंडों की जांच करने के बाद घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में प्राधिकारी निम्नलिखित प्रारंभिक निष्कर्षों पर पहुंचे हैं ।

- (i) संबद्ध देश से आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है । आयातों की मात्रा में वृद्धि ग्रे रूप में हुई है जिसके बारे में कीमत कटौती काफी अधिक है ।
- (ii) पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही है ।
- (iii) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई है । यद्यपि, उत्पादन लागत में गिरावट आई थी, तथापि बिक्री कीमत में आई गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट की तुलना में काफी अधिक रही थी । घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में सुधार हुआ । तथापि, बिक्री मात्रा में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई । क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई । यह गिरावट जांच अवधि के दौरान और अधिक बढ़ गई । बिक्री की काफी अधिक मात्रा होने के बावजूद घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ काफी कम रहे थे । लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ में गिरावट आई और लाभ के संबंध में भी यही प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई ।

84. यह देखा गया है कि क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ एवं मालसूची के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है । आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है और उनका घरेलू उद्योग की कीमतों पर अत्यधिक ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव पड़ा है । विभिन्न क्षति मापदंडों का विश्लेषण करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

वास्तविक क्षति का खतरा

85. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग को पहले से ही हुई वास्तविक क्षति के अलावा, बेलारूस से हुए आयातों के कारण निम्नलिखित के मद्देनजर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने का खतरा उत्पन्न हो गया है :-

- i. आयातों में लेजी से अत्यधिक वृद्धि हुई है । इसके अलावा, आयातों में वृद्धि दर भी सकारात्मक है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकेगा :-

(मात्रा मी.ट.में)

देश	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
बेलारूस	18	1,458	2,717	4,273

- ii. कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है । आयात ऐसी कीमत पर प्रवेश कर रहे हैं कि आगे और आयात किए जाने की प्रबल संभावना उत्पन्न हो गई है ।

रूपए प्रति किया	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
कीमत कटौती	***	***	***	***
कीमत कटौती %	***	***	***	***
कीमत कटौती की रेंज	0-10%	0-10%	0-10%	15-20%

- iii. बेलारूस ने विदेशी उत्पादक की वैबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार उनके द्वारा सृजित क्षमताएं उक्त देश में घरेलू मांग से काफी अधिक हैं ।
- iv. पाटित आयातों ने घरेलू बाजार में पर्याप्त हिस्सा ले लिया है और ऐसे हिस्से में वृद्धि हो रही है ।

86. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक और संचयी रूप से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

अन्य ज्ञात कारक

अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा एवं कीमत

87. यह देखा गया है कि चीन, ताइवान, थाइलैंड और इंडोनेशिया से भी भारी मात्रा में आयात किए जाने की सूचना मिल रही है । चीन से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है । थाइलैंड, ताइवान और इंडोनेशिया से आयात बेलारूस से हुए आयातों की कीमत से उच्च कीमत पर हुए हैं और इसलिए इससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है । चीन से हुए आयात (निर्णायक समीक्षा) की मात्रा बेलारूस से हुए आयातों की मात्रा के लगभग समान (147.89 रु./कि.ग्रा.) रही थी ।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

88. विचाराधीन उत्पाद की मांग में नकारात्मक वृद्धि नहीं हुई है । मांग में कमी ऐसा कोई संभावित कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

89. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में प्रचलित व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों का कोई साक्ष्य नहीं है। इस कारक से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

प्रौद्योगिकी विकास और निर्यात निष्पादन

90. उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। प्रौद्योगिकी विकास क्षति का कारण नहीं है। घरेलू उद्योग नगण्य निर्यात कार्यकलाप करता है।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

91. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में आकलित घरेलू उद्योग की उत्पादकता से यह पता चलता है कि इसमें पर्याप्त गिरावट आई है और इसलिए इससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

कारणात्मक संबंध

92. पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने के लिए प्राधिकारी ने निम्नलिखित पर विचार किया है :-

(क) बेलारूस से हुए आयातों में क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है। निर्यातक देश में उपलब्ध क्षमता के मद्देनजर आयात की मात्रा में आगे और वृद्धि होने की संभावना है।

(ख) बेलारूस से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। यह देखा गया है कि जाँच अवधि के दौरान बेलारूस से पहुँच कीमत 172.17 रु./कि.ग्रा. की घरेलू बिक्री कीमत की तुलना में 145.96 रु./कि.ग्रा. रही थी। यद्यपि चीन जन. गण. के मामले में पहुँच कीमत 147.89 रु./कि.ग्रा. (पाटनरोधी शुल्क के साथ 169.89 रु./कि.ग्रा.) रही थी जिससे बेलारूस से हुए आयातों के संबंध में उच्चतर कीमत कटौती का पता चलता है। यह कीमत कटौती चीन से हुए डिप्ड के आयातों के मामले में नकारात्मक (पाटनरोधी शुल्क के साथ 177.36 रु./कि.ग्रा.) रही थी। इससे यह पता चलता है कि यद्यपि चीन से कीमत कटौती काफी अधिक हुई थी तथापि यह बेलारूस से अधिक थी जिससे चीन जन. गण. से पाटन/क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना और बेलारूस के मामले में क्षति की पुष्टि होती है।

- (ग) घरेलू उद्योग की लागत समायोजित कीमत में गिरावट आई है जिसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता कम हुई है ।
- (घ) बेलारूस ने विदेशी उत्पादक की वैबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार उनके द्वारा सृजित क्षमताएं उक्त देश में घरेलू मांग से काफी अधिक हैं ।
- (ङ) पाटित आयातों ने घरेलू बाजार में पर्याप्त हिस्सा ले लिया है और ऐसे हिस्से में वृद्धि हो रही है ।

93. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि अन्य कारकों की वजह से घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कीमत में आई गिरावट के कारण हुई क्षति की तुलना में न के बराबर है । क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की स्थिति में वास्तविक विकृति प्रदर्शित हुई है जो मुख्यतः पाटित आयातों के कारण आई है । प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।

समग्र निर्धारण

94. विभिन्न क्षति एवं कारणात्मक संबंध के कारकों के उपर्युक्त के विश्लेषण से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान कुछ मापदंडों में सुधार होने के बावजूद घरेलू उद्योग के निष्पादन में वास्तविक गिरावट आई है और उद्योग को बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभप्रदता, नकद प्रवाह और निवेश पर आय के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है जबकि घरेलू बाजार में उत्पाद की बेहतर मांग रही है । क्षति वास्तविक और काफी अधिक है । अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और इस प्रकार की क्षति बेलारूस से पाटित आयातों की कीमत और मात्रात्मक प्रभाव के कारण मुख्य रूप से हुई है । अन्य कारकों के कारण क्षति, यदि कोई हो, पर्याप्त नहीं है ।

क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

95. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत का निर्धारण किया है । विचाराधीन उत्पाद के खुले एवं डिब्बाबंद रूप हेतु क्षतिरहित कीमत का अलग से निर्धारण किया गया है । क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत की तुलना संबंधित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य के साथ की गई है । क्षति मार्जिन निम्नानुसार निकाला गया है :

	अम.डॉ./किग्रा.
क्षतिरहित कीमत	***
प्रतिवादी निर्यातक	
आयातों की पहुंच कीमत	145.96
क्षति मार्जिन %	32.50

प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां

घरेलू उद्योग के अनुरोध

96. घरेलू उद्योग की टिप्पणियां मुख्यतः पाटन मार्जिन के बारे में हैं और यह कि निर्धारित सामान्य मूल्य काफी कम बताया गया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य के परिकलन में सतत प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है । कीमत समायोजनों की अनुमति रिकॉर्डों के विधिवत सत्यापन के बाद की गई है ।

उत्पादक जे एस सी ग्रोडनो खिमवोलोक्नो, बेलारूस गणराज्य तथा निर्यातक कैप्सको प्रा.लि., सिंगापुर की ओर से अनुरोध ।

98. प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक ने प्रकटन विवरण के बाद निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- i. यह उल्लेखनीय है कि कैप्सको ग्रोडनो के साथ दूरवर्ती आधार पर एक व्यापारी है और किए गए सत्यापन के अनुसार ग्रोडनो का कोई एजेंट नहीं है और इसे इस प्रकार से वर्णित न किया जाए ।
- ii. यह उल्लेख किया जा सकता है कि सह-याचिकाकर्ता सेंचुरी एंका की संबद्ध कंपनी संबद्ध वस्तु की आयातक है । नियमानुसार माननीय प्राधिकारी "संबंध" के कारण उक्त जांच को समाप्त कर सकते हैं ।
- iii. विभिन्न स्थानों पर केवल ग्रे फैब्रिक का उल्लेख किया गया है । यह स्मरणीय है कि प्रारंभिक जांच परिणाम और चीन एन टी सी एफ एसएसआर में हाल में दिए गए अंतिम जांच परिणामों में संस्तुत उपाय केवल एन टी सी एफ से संबंधित हैं ।
- iv. ग्रोडनो एम ई टी के योग्य है और अपने अनुरोधों को दोहराती है ।
- v. माननीय प्राधिकारी ने बेलारूस गणराज्य, रूसी परिसंघ और कजाकिस्तान गणराज्य के बीच यूरासैक के भीतर सीमाशुल्क यूनियन को नोट नहीं किया है, रूस को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । इसके अलावा, बेलारूस को बाजार अर्थव्यवस्था वाले ई यू द्वारा "ईस्टर्न पार्टनरशिप" में शामिल किया गया है ।
- vi. माननीय प्राधिकारी ने यह सत्यापित किया है कि बेलारूस के कानून के अनुसार ग्रोडनो को लागत से कम कीमत पर बिक्री करने की अनुमति नहीं है और माननीय प्राधिकारी ने इस तथ्य पर कार्रवाई नहीं की है कि आयात की मात्रा जी डी पी के 65% (मुख्यतः बाजार अर्थव्यवस्था वाले ई यू और रूस से) अधिक होने

- के कारण इस बात की संभावना नहीं है कि कीमतों में कोई "भारी विकृति" आई हो । इन कारणों से भी ग्रीडनो के एम ई टी के दावे को स्वीकार किया जाए ।
- vii. माननीय प्राधिकारी ने "प्रतिनिधि देश" के रूप में थाइलैंड को सही तौर पर अस्वीकृत किया है ।
- viii. कैप्सको और ग्रीडनो ने यह दोहराया है कि कानून और परंपरा के अनुसार इस मामले में क्षति एवं कारणात्मक संबंध का विश्लेषण अनिवार्य है और उन्हें "कमतर शुल्क" मानदंड का लाभ प्रदान किया जाए । यह स्पष्ट नहीं है कि क्या कैप्सको की सत्यापित लाभकारी निर्यात कीमत पर अपेक्षानुसार क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु विचार किया गया है ।
- ix. यद्यपि यह रिकॉर्ड किया गया है कि ग्रीडनो और कैप्सको ने कुल आयातों में से अग्रिम लाइसेंसशुदा बाजार खंड के लिए हुए आयातों को अलग किए जाने की मांग की है तथापि, माननीय प्राधिकारी ने ऐसा कोई प्रयास नहीं किया है । इस बाजार खंड को क्षति एवं कारणात्मक संबंध से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि ऐसा कोई प्रयोज्य उपाय नहीं है ।
- x. इस बात के मद्देनजर कि केवल दो ही ग्राहक हैं क्षति का कोई खतरा नहीं हो सकता है । प्रत्येक नया ग्राहक विनिर्देशनों के आदान-प्रदान और जांच में सफल होने आदि के लिए एक से एक या उससे अधिक वर्ष का समय लेता है, माननीय प्राधिकारी ने यह भी सत्यापित किया है कि ग्रीडनो ने रूस सहित तीसरे देशों को अधिक मात्रा में निर्यात किया है । तुलना की दृष्टि से भारत को हुए निर्यात अधिक नहीं हैं ।
- xi. माननीय प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के विश्लेषण में आरोपित पाटन के कारण आर्थिक मंदी, घटते हुए निर्यातों, धीमी रेडियलाइजेशन, आपद प्रयुक्ता बायस और रेडियल टायर की कीमतों, एन टी सी एफ से आगे औद्योगिक फाइबरों में अपने उत्पाद के विविधीकरण हेतु एसआरएफ की कार्यनीति (उसकी वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार), जांच अवधि के दौरान लागत में असामान्य घट-बढ़, जांच अवधि के दौरान भारतीय रूपए की मजबूती तथा एन टी सी एफ चीन टी पी एस एस जी जांचों के प्रभाव पर विचार नहीं किया है । इस प्रकार की किसी प्रक्रिया से कोई कारणात्मक संबंध सिद्ध नहीं होगा ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

99. प्राधिकारी ने पैरा 48 और उससे आगे के संगत पैराओं में प्रकटन विवरण पर किए गए अनुरोधों की जांच की है । बेलारूस से हुए आयातों की जांच चीन से हटकर की गई है और उन्हें पाटित कीमतों पर पाया गया है । शेष अनुरोध किसी पर्याप्त साक्ष्य के बिना सामान्य प्रकृति के हैं ।

ए टी एम ए की ओर से अनुरोध

100. यह उल्लेख किया गया है कि कंपनी की वार्षिक रिपोर्टों में दी गई सूचना के अनुसार घरेलू बिक्री, उत्पादन तथा स्थापित क्षमता में प्रकटन विवरण में अपनाए गए स्तर की तुलना में अंतर है ।

101. इस बात के मद्देनजर कि केवल दो ही ग्राहक हैं क्षति का कोई खतरा नहीं हो सकता है । प्रत्येक नया ग्राहक विनिर्देशनों के आदान-प्रदान और जांच में सफल होने आदि के लिए एक से एक या उससे अधिक वर्ष का समय लेता है, माननीय प्राधिकारी ने यह भी सत्यापित किया है कि ग्रेडनो ने रूस सहित तीसरे देशों को अधिक मात्रा में निर्यात किया है । तुलना की दृष्टि से भारत को हुए निर्यात अधिक नहीं हैं ।

102. माननीय प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के विश्लेषण में आरोपित पाटन के कारण आर्थिक मंदी, घटते हुए निर्यातों, धीमी रेडियलाइजेशन, आपद प्रयुक्ता बायस और रेडियल टायर की कीमतों, एन टी सी एफ से आगे औद्योगिक फाइबरों में अपने उत्पाद के विविधीकरण हेतु एसआरएफ की कार्यनीति (उसकी वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार), जांच अवधि के दौरान लागत में असामान्य घट-बढ़, जांच अवधि के दौरान भारतीय रूपए की मजबूती तथा एन टी सी एफ चीन टी पी एस एस जी जांचों के प्रभाव पर विचार नहीं किया है । इस प्रकार की किसी प्रक्रिया से कोई कारणात्मक संबंध सिद्ध नहीं होगा ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि स्थापित क्षमता, उत्पादन एवं कारोबार आदि के संबंध में मै.एस आर एफ की वार्षिक रिपोर्ट में सूचित सूचना में नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक तथा औद्योगिक यार्न फैब्रिक शामिल हैं । औद्योगिक यार्न फैब्रिक से संबंधित सूचना पर ध्यान नहीं दिया गया है क्योंकि यह विचाराधीन उत्पाद नहीं है । शेष अनुरोध किसी पर्याप्त साक्ष्य के बिना सामान्य प्रकृति के हैं ।

निष्कर्ष:

104. हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों तथा इस जांच परिणाम में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी अन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

(क) बेलारूस से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

(ग) यह क्षति बेलारूस से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और परिणतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी उपायों द्वारा कमी नहीं आएगी खासकर यदि पाटनरोधी शुल्क के उद्ग्रहण को घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक सीमा तक सीमित रखा जाए । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

सिफारिशें

106. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच शुरू करने और प्रारंभिक जांच करने के बाद तथा संबद्ध देश के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन की अनंतिम रूप से पुष्टि एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है । प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं ।

107. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार बेलारूस के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समस्त आयातों पर इस अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित

तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि और आयातों के पहुंच मूल्य के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की जाती है ।

क्र. सं.	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उद्गम देश	निर्यात देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	5902.10	एनटीसीएफ	समस्त ग्रेड	बेलारूस	सिगापुर	ग्रेडनो खिमवोलोक्नो	केप्सको प्रा.लि.	0.77	किग्रा.	अम.डॉ.
2	5902.10	एनटीसीएफ	समस्त ग्रेड	बेलारूस	बेलारूस	ग्रेडनो खिमवोलोक्नो	ग्रेडनो खिमवोलोक्नो	0.77	किग्रा.	अम.डॉ.
3	5902.10	एनटीसीएफ	समस्त ग्रेड	बेलारूस	बेलारूस	उपर्युक्त सं.2 से भिन्न कोई संयोजन		0.92	किग्रा.	अम.डॉ.
4	5902.10	एनटीसीएफ	समस्त ग्रेड	बेलारूस	बेलारूस से इतर कोई देश	उपर्युक्त सं.1 से भिन्न कोई संयोजन		0.92	किग्रा.	अम.डॉ.
5	5902.10	एनटीसीएफ	समस्त ग्रेड	उस देश/देशों से इतर कोई देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है ।	बेलारूस	कोई	कोई	0.92	किग्रा.	अम.डॉ.

108. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 3 मार्च, 2009 की अनंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 14/09/2008-डीजीएडी और दिनांक 15 अप्रैल, 2009 की शुद्धिपत्र संबंधी अधिसूचना की पुष्टि करते हैं और अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से उपर्युक्त पैरा तथा उपर्युक्त शुल्क तालिका में उल्लिखित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

109. इस सिफारिश से उत्पन्न होने वाली केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 29th September, 2009

Final Findings

Subject :- Anti-Dumping Investigations involving imports of Nylon Tyre Cord Fabric originating in or exported from Belarus.

F. No. 14/09/2008-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, (hereinafter referred as Rules) 1995 thereof;

PROCEDURE

2. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority: -

(i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from Association of Synthetic Fibre Industry, New Delhi on behalf of the domestic industry, alleging dumping of NTCF originating in or exported from Belarus (hereinafter also referred to as subject country).

(ii) The Authority notified the Embassy/Representative of Belarus in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.

(iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 30th September, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of NTCF originating in or exported from Belarus, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

(iv) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 30.09.2008 to the Embassy/representative of the subject country in India, known exporters from the subject country, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

- (v) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- (vi) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy/representative of subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
- (vii) The Embassy/representative of the subject country in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- (viii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the known exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4);
- (ix) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation. Imports data procured from DGCI&S has also been gone through in this findings;
- (x) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties in accordance with Rule 6(7);
- (xi) In response to the above said notification one of the exporters, M/s JSC Grodno Khimvolokno, from the subject country filed their responses to questionnaire. The Embassy made submissions concerning dumping and injury to the domestic industry, the same has been taken into consideration in this findings.
- (xii) In response to above notification one of the importers, M/s. Apollo Tyres Ltd. filed response to questionnaire.
- (xiii) The exporters/importers who have not filed the information have been treated as non-cooperating exporters/importers.
- (xiv) The Authority held a Public Hearing on 29.06.2009 to hear the interested parties. The parties attending the Public Hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The Designated Authority considered the submissions as received from the interested parties in the findings.
- (xv) The Authority issued Disclosure statement on 4th September 2009, thereby giving the essential facts under consideration which form the basis of its decision in the final findings. The replies received thereto have been taken into consideration, without repetition in the present findings.
- (xvi) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted

Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;

(xvii) Investigation was carried out for the period starting from 1.4.2007 to 31.3.2008. However, injury analysis has been carried out for the years 2004-05, 2005-06, 2006-07 and the period of investigation.

(xviii) *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION

3. The product under consideration in the present case is Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in or exported from Belarus. The subject goods is a fabric of nylon, meant largely for tyre cord. NTCF finds application in different kinds of automotive tyres such as bus & truck tyres, two wheeler tyres, cycle tyres, Light commercial Vehicles tyres, Animals Driven vehicles etc.

4. Nylon Tyre Cord fabric is produced using different deniers of yarn. The fabric is used for reinforcement of tyres. The product is sold as " Grey fabric " and also "Dipped fabric". These are only different forms of the product under consideration. The Indian Tyre Industry is buying both grey and dipped fabric. All types of NTCF are within the scope of the product under consideration and are classified under Chapter 59, Custom subheading no. 5902.10.00 of the Customs Tariff Act. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

5. With regard to like article, Rule 2(d) provides as under: -

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation; "

6. The Authority notes that there is no known difference in subject goods (NTCF) exported from Belarus and that produced by the petitioner companies. Subject goods (in various grades) produced by the domestic industry and imported from Belarus are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Consumers can use and are using the two interchangeably. The two are technically and commercially substitutable. Thus, the subject goods produced by the petitioners are being treated as like article to the subject goods imported from the subject country in accordance with anti dumping rules.

STANDING OF THE DOMESTIC INDUSTRY

7. The Association of Synthetic Fibre Industries (ASFI) New Delhi has filed the application on behalf of M/s SRF Limited and M/s. Century Enka Limited. Authority notes that there was one more producer M/s. NRC Limited, which was in the production of the subject goods in the POI. The producer has, however, suspended production of product

concerned and not responded to the Authority's request for information. On the basis of the information received, the Authority notes that the applicant companies constitute a major proportion in Indian production. Therefore, the Authority holds that for the purpose of this investigation the petitioners command the standing in terms of Rule 5(3) and constitute the domestic industry in terms of Rule 2(b).

Import Volumes and De-Minimis Limits

8. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods as provided by (a) the petitioner (which is based on secondary source import data), (b) information procured by the Authority from the DGCIS and (c) the responding exporter. It is noted that the volume of imports reported by the responding exporter is higher than the volume of imports reported in the DGCIS and secondary source data. On the basis of various import data on record, the import volumes from the Belarus are found to be above the de-minimis levels.

9. M/s Apollo Tyres, Gurgaon have responded as an importer and provided the information in respect of imports (duty paid and duty free) made during the POI. The Authority notes that in the information provided by M/s Apollo Tyres in respect of the imports from Belarus, the CIF price matches with the response of the exporter.

Arguments raised by the domestic industry

10. Domestic Industry has made following submissions

- a. The product under consideration in the present petition is Nylon Tyre Cord fabric (NTCF), hereinafter also referred to as "subject product or subject goods" originating in or exported from Belarus.
- b. The product is a fabric of nylon, meant largely for tyre cord. NTCF finds application in different kinds of automotive tyres.
- c. Nylon Tyre Cord Fabric is used as reinforcement fabric in various kinds of tyres.
- d. Most of the producers produce their own chips and thereafter yarn to produce fabric. In fact, the producers consider these as integrated production activities. Nylon chips and nylon yarn, produced as intermediates in the production process, are normally produced only for consumption in NTCF production.
- e. The subject goods are categorized under Chapter 59 of the Customs Tariff Act, which covers "Impregnated, Coated, Covered or Laminated Textile Fabric". Subject goods are categorized under heading 5902, which cover "tyre cord fabric of high tenacity yarn of nylon or other polyesters or viscose rayon". Nylon Tyre Cord Fabric is classified under subheading 59021000.
- f. The subject goods are in fabric form. Commercially manufactured Nylon Tyre Cord Fabric is available in two forms (a) Grey Fabric; and (b) Dipped Fabric.
- g. There are no restrictions on imports of subject product. The product can be imported freely from any country in any quantity.
- h. The producers/exporters from Belarus have recently started exporting NTCF in the Indian market. Significant increase in dumped imports from Belarus occurred over the injury period.
- i. Production of the participating companies constitutes total Indian Production. The petition is being made by the Association of the subject goods. It may kindly be considered that the petition is being made on behalf of the domestic industry.

- j. There is one more producer of the product in India, However, NRC Limited has stopped production in the period of investigation.
- k. M/s. Century Enka Limited is a B K Birla Group Company. M/s. Birla Tyres (A unit of Kesoram Industries Limited) is also a B K Birla Group Co. Birla Tyres and Century Enka are related companies. M/s. Birla Tyres is importing NTCF regularly.
- l. Petitioner companies do not have significant export activities with regard to the product under consideration.
- m. There is no known difference in subject goods (NTCF) exported from Belarus and that produced by the petitioner companies.
- n. Subject goods (in various grades) produced by the domestic industry and imported from Belarus are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Consumers can use and are using the two interchangeably. The two are technically and commercially substitutable.
- o. There is no known difference in the technology adopted by the petitioner companies and by the producer in the subject country.

Submissions by ATMA

11. The user association has made the following submissions: -

- (a) Period of Investigation - Due to volatility of Costs and Prices of the Product during POI, the same can be refined to look at them from different time periods.
- (b) WTO MEMBERS AND NON-MEMBERS TREATED AT PAR - According to Para 11 of Rules, injury and causal link analysis is mandatory in the case of Specified Countries and not excluded or prohibited in the case of other countries. Again, as per the Rule 2 (f), specified country includes a country, which is a WTO member and also country or territory with which the Government of India has an agreement for giving it the most favored nation treatment. In the instant case, the supporting exporter is from Singapore, which is a WTO member.
- (c) As per the Agreement on Trade and Economic Cooperation between India and Belarus, India has granted MFN status to Belarus.
- (d) Further, Authority has treated non-member countries of WTO at same level to those who are members of WTO and has conducted injury analysis in all such cases. Even in the absence of MFN treatment the well-established practice and precedents would apply. (A list of cases is provided wherein authority has given an equal status to these countries). The argument that since Belarus is a non-member of WTO, injury/causal link determination need not be done is not tenable.

12. The arguments raised by various interested parties have been appropriately dealt in the present final findings.

Normal value, export price and Dumping Margin.

Submissions by the domestic industry

13. Domestic Industry has submitted as under:

- (a) Belarus is a non-market economy. Onus to prove the market economy status of the company and its entitlement for market economy treatment is not on Designated Authority or domestic industry but on the concerned company.
- (b) There is only one producer of product concerned in Belarus i.e. also state owned company, the company therefore is not eligible for market economy treatment.
- (c) The exporter has to satisfy 15 conditions prescribed under the Rules. Even if anyone of these conditions is not satisfied, the exporter cannot be granted MES. Petitioners here submit that out of the 15 conditions provided under the Rules, the exporter's claim on MES should fail, even if one of the 15 parameters is not satisfied. It would be relevant to refer here that the injury Rules provides for 15 parameters and material injury to the domestic industry may exist even if one single parameter is satisfied. However, with regard to MES, the claim must be rejected even if only one condition is not satisfied.
- (d) Taiwan or Thailand may be considered as appropriate surrogate country for Belarus and cost of production including SGA in these countries may be considered as normal value.
- (e) Domestic industry has requested normal value to be determined based on constructed cost of production in India.

Submissions by ATMA

14. ATMA in their submissions stated as under:

- a) ATMA opposes Thailand as surrogate economy. Reliance Judgment mandates single country normal value and countrywide injury. Authority is presently bound by Reliance Judgment and not by the ADA or Rules in these respects, pending any amendment of the statute. Normal Value should be based on verified Caprolactam price of the exporter or of Century Enka and verified conversion ratio.
- b) It is not dumping but due to differences in accepted accounting norms and profit expectations, it is possible there may be a small dumping margin even if MET were granted and in case MET is denied the dumping margin may be based on constructed normal value in India.
- c) The export price of the cooperating trader/exporter may be considered for the respective dumping and injury margins.
- d) Disclosure : Since there is a single producer in Belarus there is no issue of breach of confidentiality in fully disclosing to JSC Grodno Khimvolokno its dumping margin calculation, including its normal value determination or construction.

Submissions by JSC Grodno Khimvolokno

15. The only responding exporter has stated as under

- a) Grodno functions as a private entity. Also, imports constitute 65% of its GDP. Therefore, it should be granted a market economy status.

- b) Belarus does not subsidize costs of production as its resources are its location, educated labour, water (none of which are actionable) and forests (this is not a forest product).
- c) Further, Belarus government does not have any control over prices. Price trends are same as that of market economies. Thus there is no significant distortion in prices.
- d) There should be intergovernmental resolution of the issue of market economy treatment of the Belarus.
- e) The information regarding the form of JSC Grodno was wrongly interpreted. Grodno asserts that it is a commercial organization with main objective of profit earning.
- f) Denationalization has already taken place in Belarus.
- g) Authority has wrongly considered state as a main shareholder of Grodno.

Examination by the Designated Authority.

16. The Authority sent a copy of exporter's questionnaire and market economy questionnaire to the known producers in Belarus. The sole producer of subject goods, M/s. JSC Grodno Khimvolokno has responded to the initiation notification and provided relevant information. The questionnaire response filed by M/s Grodno Khimvolokno has been examined. The Authority verified the information provided at the premises of the exporter on 8-9 July 2009 and issued a detailed tour report in this regard.

17. The authority noted that the plant was established in 1978. The reorganization of the enterprise into a joint stock company took place in 2002 vide order No.127 dated 10.9.2002 of the Ministry of Economy of the Republic of Belarus. The reorganization was done of the Republican Unitary Enterprise "Grodno Production Association Khimvolokno". As per para 4.3 titled Audit of Statutory fund from the audit report no 3/1 dated 05.02.2009 of LLC "Auditing and Consulting services " Audiks" in respect of JSC " Grodno Khimvolokno", the statutory fund of JSC " Grodno Khimvolokno" amounts to *** roubles. The statutory fund is divided into *** ordinary nominative shares with the share denomination of *** roubles each. The company was made JSC in 2002. The contributors to the company after the aforesaid reorganization continue to be as follows:

- State committee for Property of the republic of Belarus- *** shares to the total sum of *** roubles, which makes up 99.9744%.
- Physical bodies- *** shares to the total sum of **** roubles, which makes up 0.0256%.

(The denomination Roubles means Belarusian Roubles in this report.)

18. Belarusian State concern for oil and Chemistry (Belneftekhim) was placed in charge in the first general meeting of shareholders in 2002 to supervise the registration and regulatory compliances of the JSC " Grodno Khimvolokno". The main shareholder of M/s JSC Grodno is the State committee on property of the Republic of Belarus under the Ministry of Economy of Republic of Belarus which possesses 99.9744% of the shares. Thus, the ownership of the JSC vests in the state.

19. During verification of information, it was claimed that there is a Law of Republic of Belarus of May 10, 1999, N 255-3 about Pricing which states that the organizations cannot sell their products below costs. The copy of the law was provided. It was seen that Chapter 3 is regarding Pricing Control. As per Article 7 of this Chapter, there is an application of

controlled prices (tariffs) in respect of goods of subjects of economic management having the leading position on the merchandize market of Belarus and included in the state register. It was stated that NTCF is not covered in this law of pricing, however, the company provided that as per resolution of Ministry of Economics of the Republic of Belarus dated April, 22, 1999, and 43, the Regulation on Procedure of Price Formation is as follows:

20. Para 2.1 Sales prices of goods for industrial and further production purposes, consumer goods and tariffs for services (works) are formed on the basis of planned self-cost, all types of established taxes and non-tax payments in accordance with tax and budget legislation, profit necessary for reproduction which is determined taken into account quality of product (goods, works, services) and market situation.

21. The authority notes that the law merely indicates guidelines for formation of selling price on the basis of planned costs and does not specifically regulate the selling price/coverage of costs etc.

Raw Material Procurement

22. In respect of the basic raw materials, it was provided by the company that the company has purchased Capro Lactam, the main raw material, from M/s J.S.C. Grodno Azot (other state-owned enterprises) on a long term contract basis. The company provided a statement showing month wise average procurement price and the conversion rate of roubles vs US \$ on monthly basis. Procurement vouchers on random basis and as detailed below were seen form the books of accounts.

Rate in Roubles per MT

Voucher No.	Date	Rate
0594269	11.10.07	***
	05.10.07	***
0543328	11.04.07	***
0543373,74	11.04..07	***
0304863	05.06.07	***
0419061	27.11.07	***
0587212	30.12.07	***
0394186	10.03.08	***

23. It was stated by the company that they have entered into a long term contract with JSC Grodno Azot. To ascertain whether the prices are on arms length principal to principal basis and comparable to the ex factory prices at which caprolactam is sold to other (more distant) customers, the company expressed its inability to produce evidence in this regard. It was stated that this information is confidential to M/s JSC Grodno Azot. It is understood that M/s JSC Grodno Azot is also a state owned enterprises converted on almost similar lines as that of M/s JSC "Grodno Khimvolokno". In their case, the allocation/ allotment of Benzene, the basic raw material for production of Caprolactam is under the control of Belarusian State concern of Oil and Chemistry. The authority notes that the same concern was placed in charge in the first general meeting of shareholders in 2002 to supervise the registration and regulatory compliances of the JSC " Grodno Khimvolokno".

24. It was further stated by the company that the Caprolactam price paid by JSC " Grodno Khimvolokno" during POI is also not lower than the prices of caprolactam from Russia, the closest market economy country producing caprolactam from where JSC " Grodno

Khimvolokno" would have brought caprolactam in case it was not locally available. Russia is in any case the most appropriate market economy for comparison to Belarus in case MET is not granted.

25. The company provided comparable prices of caprolactam for each month of POI, as procured from M/s JSC Grodno Azot and as prevalent in Russia. Month wise exchange rate for rouble / US \$ has also been provided in the same table. The details are as follows:

Price in US\$ per MT

Month	Procurement Price by JSC Grodno in Belarus	Prices prevalent in Russia
April, 2007	***	***
May, 2007	***	***
June, 2007	***	***
July, 2007	***	***
August, 2007	***	***
September, 2007	***	***
October, 2007	***	***
November, 2007	***	***
December, 2007	***	***
January, 2008	***	***
February, 2008	***	***
March, 2008	***	***
April, 2008	***	***

26. The Authority notes that there is substantial difference in the price paid by Company for Caprolactam to another state owned company vis a vis that prevailing in the suggested Russian market.

27. The company has purchased Natural Gas from Production Republican Unitary enterprises "Grodnooblgaz". The procurement is in the range of US\$ ***. The copy of purchase price of natural gas for different months namely April 07 (***US\$), May07 (***US\$), August, 2007(***US\$) and February, 2008 (***US \$) were provided. It was claimed by the company that the natural gas is available to all customers at the same price; however the price prevalent in the market for common user could not be provided.

28. The company provided list of types of cord fabrics produced/sold by them. The types exported to India were *** and ***. These grades have not been sold in the domestic market or exported to third country (Russia).

Exports to India.

29. During the POI, the company has exported through trader M/s Kapsco, Singapore a quantity of *** (for Birla tyres) and ***MT (for Apollo tyres). The company also provided the break-up as follows:

Quantity in Kgs

Period	Belarus	Russia	India	Others
01.04.07 to 31.12.07	***	***	***	***
01.01.08 to	***	***	***	***

31.03.08				
Total	***	***	***	***

30. This totals up to ***kg sales during the POI. The company was asked to provide the details of domestic sales made in Belarus for comparison with the exports made to India. Total sales figure of *** MT was only provided without any other details in respect of customers, sales prices, adjustments etc. In respect of the exports made to Russia, the company provided the details of invoice no, date sales price per ton in US\$, quantity, gross/net invoice value in US\$ without type of fabric.

31. In respect of the exports made to India, the export invoices including the Performa invoice, bank transfer amount documents, invoice copy, packing list, certificate of origin, copy of way bill for transportation and customs declaration at Grodno were verified.

32. The company has been exporting through its trader M/s Kapsco Singapore. All the forwarding expenses relating to export are made by JSC Grodno. The adjustments claimed on such account matches with the contracted amount in the sample invoices checked and compared.

33. The company has admitted that the ownership/ principal shareholder in the company is the State Committee on property of Republic of Belarus, which is a state entity at the Republican (National) level. The company was created on the basis of order no.127 dated 10.09.2002 of the Ministry of Economic Affairs of the Republic by reorganization of Republican Unitary Enterprise "Production Association Khimvolokno Grodno". Such being the situation, possibility of significant state interference cannot be denied. The significant difference at which the basic raw material Canrolactam has been supplied to this company by another state owned company and at which it is available in international market and even in suggested market that is Russia indicates possibility of subsidization. This possibility is more prominent in view of the fact that the supplier company is also state owned and had been entrusted with the task of reorganization of JSC Grodno Khimvolokno. In view of the above, the authority has treated the company to be operating under non- economy market conditions for the final determination.

Normal Value for Belarus

34. As noted above, the cooperating producer/exporter has not been granted market economy treatment. Therefore, the normal value for Belarus will be determined in accordance to para 7 of Annexure-1 of the rules.

35. Para 7 of the Annexure-1 with regard to determination of normal value provides as follows—

7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner [keeping in view the

level of development of the country concerned and the product in question] and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

36. The domestic industry suggested consideration of Thailand or Chinese Taipei as appropriate market economy third country. The applicant however estimated normal value based on cost of production in India. Subsequently, the domestic industry submitted information on normal value from a producer in Thailand, M/s. Thai Baroda Industries Ltd – Thailand.

37. ATMA and the cooperating producer/ exporter from Belarus disputed consideration of Thailand as appropriate market economy third country and stated that 'Thailand is not an appropriate surrogate country for Belarus as it is a high income country comparable to Belarus and India. Further, it is not comparable to either and since it is only information from a single related producer and does not represent Thai NTCF industry as a whole and since its just one prouder (Unlike Reliance judgment which contemplates wider consideration)'. It has also been stated that the option contemplated in para 7 of Annexure I of Rules are not applicable.

38. The Authority notes that para 7 of the Annexure-1 of rules specifically provide for consideration of third country as the first option for determination of normal value. Therefore, the argument extended by interested parties is legally untenable, however, the Authority made a comparison of the data on normal value provided from a producer in Thailand and constructed normal value based on cost of production in India and noted that the constructed value based on cost of production of the domestic industry is lesser than that of producer in Thailand whose data has been submitted by the domestic industry. The authority, therefore, has determined normal value on the basis of method 'on any other reasonable basis'.

Constructed Normal value for Belarus

39. The normal value has been constructed on the basis of raw material (caprolactum) at international prices to India, consumption norm of the cooperating exporter, conversion cost of the domestic industry. To this, profit @ 5% has been added to determine normal value. By this methodology the normal value has been constructed as US\$ *** per kg for Grey fabric only, as imports from Belarus have been reported under this grade only.

Export Price for Grodno

40. M/s. Grodno has provided information relating to export to India in Appendix 2. It has been stated that for Indian market the product is shipped to India but sold on a principal to principal basis to unaffiliated trader firm M/s Kapsco Private Ltd. (Kapsco) Singapore which pays to Grodno Khimvolokno in advance. During the POI, the company has exported *** MT of grey fabric to India. The authority has verified the adjustments claimed from the export price at Grodno. The verification has also been done at the trader M/s Kapsco at Singapore. The adjustments as claimed have been allowed after the verification. The

authority, has allowed the net export price as claimed by the company at Grodno. The net export price comes to US \$ *** per kg for Grey Fabric.

Dumping Margin in case of responding exporter

41. Considering the normal value and export price determined, as explained above, the Authority has determined the dumping margin.

Dumping Margin

42. The Authority notes that only Grodno Khimvolokno has responded to the Authority and has provided questionnaire response. No other exporter from Belarus has responded to the Authority. In case of non-cooperative exporters from Belarus, export price is taken considering lowest export price of Grodno Khimvolokno of reasonable commercial quantity. Accordingly dumping margin determined comes to as under: -

Exporter/Producer	Normal Value US\$/KG	Export Price US\$/KG	Dumping Margin US\$/KG	Dumping Margin %
Grodno	***	***	***	25.08
Residual	***	***	***	31.50

43. It is noted that the dumping margins are significantly beyond de-minimus limits.

INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

44. Present investigation is for imposition of anti dumping duty against imports of product concerned from Belarus. The product under consideration also attracts anti dumping duty on imports from China under Rule 22 of AD Rules of anti-dumping duty via notification dated 31st March, 2009.

Submissions of domestic industry

45. Domestic industry submits that:

- a. the imports from Belarus increased during the injury period. In the base year, the imports were negligible, which increased very significantly thereafter. After imposition of anti dumping duty against China, the imports have started entering from a new source, i.e., Belarus.
- b. The Market share of Belarus in demand of product in India has increased significantly from negligible.
- c. The dumped imports from subject country have increased in relation to the production of the domestic industry.
- d. There is significant price difference between CIF price of imports from Belarus and selling price in India. Imports are undercutting the Indian prices.
- e. The imports from Belarus coupled with China are forcing the domestic industry to restrict the production. Even on increase in demand of the product under consideration, domestic industry is left with unutilized capacity.
- f. There is price underselling to the extent of 30-35%.

- g. Between 2005-06 and POI, whereas both cost of production and selling price declined, the decline in the selling price was far more pronounced than decline in the cost of production. The imports are thus depressing the prices of the domestic industry in the market.
- h. Profits of the domestic industry declined significantly over the injury period to such an extent that the domestic industry suffered significant financial losses in the investigation period. It is further submitted that cash profit has also declined significantly. The return on capital employed has declined to the extent that the return was negative in the POI.
- i. The inventory level with the domestic industry increased significantly.
- j. However, in spite of increase in capacity, the profitability of the domestic industry suffered.
- k. Continued long-term dumping is bound to adversely affect the employment and wages.

Submissions by ATMA

46. ATMA has made following submissions:

- a. Petition filed by the domestic industry failed to provide sufficient and accurate data to substantiate the injury to the domestic industry.
- b. Many non-confidential data has been claimed as confidential.
- c. There are a number of discrepancies in the data filed by the domestic industry.
- d. The affected sales during the POI would be due to this strategic business decision and not due to any injury from NTCF imports. This is substantiated from the data in the annual reports of SRF. There is a major growth in intermediate products of Nylon yarns. In the previous year it has established an R&D centre for such yarns and other diversified products.
- e. An error in the NTCF production quantity is reported in view of the non-clarification of such discrepancy in the Annual Report of SRF for the POI. This discrepancy has distorted the injury claim of the DI especially in respect of volume effect and the alleged NIP by over 35% and is to be corrected.
- f. There was an increase in demand for the PUC in POI. Also, the market share of DI has increased from 48% to 56%, thereby leading to no injury from the imports.
- g. The termination of TP SSG petition for the imports of NTCF from China PR shows that the injury to the domestic industry is due to some other reason and not due to the imports.
- h. The burden of proof is on the Domestic Industry and Authority to establish that there is a causal link to quantify and distinguish the injury caused by the imports from Belarus.
- i. Total capacity claimed by the Domestic Industry is 61,789 MT as opposed to the actual capacity of 68,000 MT as provided in the annual report of both the companies. Further, the production data is understated in Annual reports when compared to the Proforma IV A by 10,916 MT. This has resulted in inflated cost of production, Price underselling and price undercutting and wrong NIP, profitability and cash flow.
- j. With understated production, the analysis of unutilized capacity becomes wrong. It also had a negative impact on determination of productivity per employee and inflated capital employed per unit of output requiring higher return on capital

- employed. The volume effect also gets distorted and inflated as a consequence of the erroneous production data.
- k. Wrong sales volumes are provided by the domestic industry. This becomes evident when compared with the opening and closing stocks of the product. Further, in Proforma IVA of the petition, sales quantity for the domestic industry has been considered to be 58,984 MT as compared to the 68,424 MT of the Annual Report.
 - l. There is discrepancy in data for the previous three years. There is possibility of understatement of data in Annual reports by SRF. If such is the case, it should be discarded from being a constituent of DI.
 - m. Domestic industry was not capable to meet the increasing demand. Further, total demand is also understated.
 - n. There is a need of revised public hearing on the submission of correct data by the DI for all injury parameters.
 - o. No explanation is given in the said SRF POI Annual Report of the sudden decrease in Caprolactam conversion or of how the sales figures are higher than production and where the additional sales were being sourced, or are the proceedings actually aimed by SRF at facilitating off-shoring to Thailand? Neither has been disclosed by SRF in the Petition. Capacity utilization figure will be distorted.
 - p. There is no volume effect made out, also the COP/NIP is inflated being based on the incorrect production quantity apart from the other distortions listed above.
 - q. There is inaccurate cost of Caprolactam reported in the annual reports of the SRF. There is difference in prices of SRF and Century Enka thereby indicating that SRF has not made MODVAT adjustments.
 - r. With an understated production, the capacity utilization has also been understated in the injury determination. It has also resulted in a determination of inflated capital employed per unit of output requiring higher return on capital employed.
 - s. There is no mention of injury being caused by dumping in the annual reports of the company, which cannot be done as the company is public listed company.
 - t. There are trade restrictive market policies by the DI to consolidate the domestic production by encouraging exit of other domestic producers. This is reflected in the SRF's POI Annual Report.
 - u.
 - i. Depressed tyre prices in India have been adversely affecting the value chain.
 - AD Duty on imports of Bias Tyres
 - MTR Initiation for enhancement of ADD on imports of bias tyres
 - Request for TPS SG China in respect of imports of passenger car tyres
 - Initiation of AD Investigations in respect of imports of certain radial tyres.
 - ii. Initiation of TPS SG Investigations of imports of NTCF from China indicating prima facie other sources of injury (other than dumping).
 - v.
 - a. Due to the economic slowdown there is decline in imports post POI.
 - b. The currency dynamics have played a significant role –there is substantial appreciation of Indian Rupee during the POI and subsequent to POI considerable decline in Rupee.
 - w. SSR for enhancement of ADD on imports of NTCF from PR China.

- x. ATMA opposes Thailand as surrogate economy. Reliance Judgment mandates single country NV and countrywide injury. Authority is presently bound by Reliance Judgment and not by the ADA or Rules in these respects, pending any amendment of the statute. NV should be based on verified Caprolactam price of the exporter or of Century Enka and verified conversion ratio.
- y. It is not dumping but due to differences in accepted accounting norms and profit expectations its possible there may be a small dumping margin even if MET were granted and in case MET is denied the dumping margin may be based on constructed Normal Value in India.
- z. The export price of the cooperating trader exporter may be considered for the respective dumping and injury margins.

Submissions by Grodno Khimvolokno

47. In their submissions they have stated as under

- i. Market segments and no causal link
- ii. Injury caused to DI could not be attributed to imports. The prices fell in India due to poor performance first of Bias Tyres industry then radial tyres.
- iii. Moreover, the imports compete in different market segments and should be separately assessed:
 - a. The duty paid (including but not limited to any ad duties) market segment;
 - b. The duty exempt (including also but not limited to AD duties) segment due to priority for exports in established Public Policy.
- iv. No AD duties will be levied, on imports by the duty exempt market segment. And therefore, the Authority should not consider the imports by such segment for the purposes of AD Investigations and Reviews.
- v. Once market segmentation is done then the market share of Belarus is not significant and that not only the landed value but also the export price of sales to the duty payable market segment in India are higher and that any injury by imports would be attributable to exports from other countries.
- vi. Majority exports by Grodno in the Investigations have been to the duty exempt market segment and there would be no anti dumping duty in any case on sales to the duty exempt segment. Further, the imports from Belarus by the duty payable market segment would not exceed the de-minimus thresholds.

Examination by the Authority

48. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped

imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

Assessment of demand

49. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

Demand	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Sales of Domestic industry	MT	46,117	46,897	54,273	58,984
Sales of other Producers	MT	7,592	6,050	7,037	3,530
Subject Country imports	MT	18	1,707	3,208	4,273
Other Country imports	MT	41,427	46,312	42,571	37,751
Demand	MT	95,154	100,966	107,089	104,538

50. It is seen that the demand for the product under consideration has shown an increase. The authority notes that as per the submissions of the exporters the exports during the POI from Belarus was 4,273 Mt as against 3,923 MT reported by DGC&IS, which shows even higher exports than as reported by DGC&IS.

51. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between the dumping and injury, if any.

VOLUME EFFECT: Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry:

52. The effects of volume of dumped imports from subject country has been examined as follows:

Volume and market share in dumped imports

53. Authority examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Imports (in MT)				
Belarus – Subject country	18	1,707	3,208	4,273
China-PR – attracting ADD	21,594	28,021	23,339	17,204
Other countries	19,833	18,292	19,232	20,547
Total imports	41,445	48,019	45,779	42,024
Market share in imports %				
Belarus	0.04	3.55	7.01	10.17
China	52.10	58.35	50.98	40.94
Other countries	47.85	38.09	42.01	48.89

54. The Authority notes that

- a. After the imposition of anti dumping duty against China, the imports have started from a new avenue Belarus;
- b. Imports from Belarus increased significantly in absolute terms;
- c. Market share of Belarus was negligible in the base year and increased up to nearly 10% of total imports in the country;
- d. Imports from Belarus are significant in absolute terms as also relative to production and consumption in India;
- e. The product is imported in India from different sources in dipped and grey form, however, mainly grey is being imported from Belarus.

Market share in demand

55. Considering imports from various sources and sales of the Indian Producers, market share of subject country in demand in India is as shown in table below.

		2004-05	2005-06	2006-07	POI
Demand	MT	95,154	100,966	107,089	104,538
Market Share in Demand					
Domestic industry	%	48.47	46.45	50.68	56.42
Other Indian Producers	%	7.98	5.99	6.57	3.38
Indian Industry	%	56.44	52.44	57.25	59.80
Belarus	%	0.02	1.69	3.00	4.09
Other Countries	%	43.54	45.87	39.75	36.11

56. It is observed that the market share of dumped imports in demand from Belarus increased from negligible during base year to 4.09% during the POI.

(B) Price effect of imports

57. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

58. The product under consideration is sold in India in two grades - grey and dipped. However, it is consumed in dipped form only. When, customer purchases grey fabric, consumer dips it. It is seen that the product imported from Belarus is mainly in grey form. In view of cost and price difference between grey and dipped form of the product and because the imports from subject country are mainly in grey, comparison of the domestic selling price with the landed value of imports for the grey form has been done. The net sales realization

was arrived after deducting all rebates and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry.

Grey		
Import volumes	MT	4,273
Import Price	Rs./KG	131.38
Landed Price	Rs./KG	145.96
Selling price of Domestic industry	Rs./KG	***
Price Undercutting	Rs./KG	***
Price Undercutting	%	***
Price Undercutting range	%	15-20

59. It is observed that the subject exporters have exported the product at prices significantly lower than selling price of domestic industry.

Price Underselling

60. The Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non-injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producers by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI in accordance with the practice of the Authority and also by taking into account the decision of Hon'ble Supreme Court. Non-injurious price has been determined separately for the Grey form of the product.

61. The analysis shows that the landed value of Grey form of subject imports were significantly below the non-injurious price determined.

Grey		
Import volumes	MT	4,273
Landed Price	Rs./KG	145.96
Non-injurious price	Rs./KG	***
Price underselling	Rs./KG	***
Price underselling	%	***
Price underselling range	%	30-35

Price suppression/depression

62. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases, which would have otherwise

occurred. For the purpose, the Authority examined the trends in cost to make & sell and compared the same with selling price & landed price of imports.

Unit		2004-05	2005-06	2006-07	POI
Landed price of imports	Rs./KG	169.24	179.56	170.78	145.96
Selling price of the domestic industry (Grey)	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	109	101	96
Cost of production of the domestic industry	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	112	110	108
Profit/loss	Rs.Lacs/KG	***	***	***	***
Trend		100	83	16	(9)

63. It is noted that whereas the cost of production increased between 2004-05 and 2005-06, the same declined thereafter. Selling prices of the domestic industry also have shown same trend of increasing in 2005-06 and declining thereafter. Thus, between 2005-06 and POI, whereas both cost of production and selling price declined, However the decline in the selling price was far more pronounced than decline in the cost of production. The imports were thus depressing the prices of the domestic industry in the market.

Economic parameters of the domestic industry

64. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Examination of performance of the domestic industry is as under:

Capacity & Capacity utilization

65. Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table: -

Unit		2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Capacity MT	MT	44,650	45,289	51,008	61,789
Capacity Utilization %	%	105.17	107.39	110.26	98.08
Demand	MT	95,154	100,966	107,089	104,538

66. It is observed that domestic industry has enhanced capacities over a period of time to be in line with the increasing demand of the product. The domestic industry has even utilized its capacity more than the installed level; however, imports from Belarus coupled with China forced the domestic industry to restrict the production. It is noted that the Capacity utilization in 2007-08 remained at levels below 2004-05.

Production

67. Production of the domestic industry is given in the following table: -

Unit		2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Production MT	MT	46,958	48,637	56,240	60,605
Demand	MT	95,154	100,966	107,089	104,538
Production in relation to Demand	%	49.35	48.17	52.52	57.97

68. It is observed that the production of the domestic industry shows a positive trend. However, in spite of increased production, profitability suffered heavily due to dumping into the Country.

Sales

69. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

Unit		2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Sales	MT	46,117	46,897	54,273	58,984
Trend	Indexed	100	102	118	128
Demand	MT	95,154	100,966	107,089	104,538
Trend	Indexed	100	106	113	110
Market Share of domestic industry in demand	%	48.46	46.44	50.68	56.42
Market Share of Indian industry in demand	%	56.44	52.44	57.25	59.80

70. It is observed that sales of the domestic industry increased in absolute term. It is however noted that in spite of increase in sales volumes, profitability suffered heavily due to dumping in the Country.

Profit/Loss, Cash Profit and Return on Investment

71. The profitability of the domestic industry is given in the following table:

Profitability	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Profit/Loss (Grey)	Rs./Kg	***	***	***	(***)
Trend		100	83	16	(9)
Profit before tax in NTCF	Rs. Lacs	***	***	***	(***)
Trend		100	75	9	(39)
Profit before interest and tax in NTCF	Rs. Lacs	***	***	***	(***)
Trend		100	82	33	(10)
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend		100	85	55	37
Return on Capital employed	%	***	***	***	(***)
Trend		100	63	18	(6)

72. It is noted by the Authority that the profits of the domestic industry declined significantly over the injury period. Such has been the extent of decline that the domestic industry suffered significant financial losses in the investigation period. Further, this decline in profits is in spite of continued significant increase in the sales volumes. It is further noted that cash profit has also declined significantly. The Authority notes that the return on capital employed became negative in the POI.

Inventories

73. Inventories with the domestic industry moved as follows –

Unit		2004-05	2005-06	2006-07	POI
Inventories	MT	774	938	1,303	1,299
Trend	Indexed	100	121	168	168

74. It is noted that the inventory level with the domestic industry increased significantly.

Productivity

75. The Authority notes that productivity of the domestic industry has increased with the increase in capacity and production in absolute term. However, in spite of increase in capacity, the profitability of the domestic industry suffered.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Productivity per employee	MT	29	29	30	31
Trend	Indexed	100	100	103	109

Employment and Wages

76. The Authority notes that employment and wages have not been affected so far in view of the fact that the petitioners are multi product companies. However, continued long term dumping is bound to adversely affect the employment and wages. It is noted that in case of NRC and Nirlon dumping has led to plant closures and total loss of employment.

Factors affecting domestic prices:

77. The Authority notes that the domestic market for the product under consideration is growing. However, the landed price of subject imports is below the selling price of both the constituents of the domestic industry. Therefore, it cannot be concluded that inter-se competition is to such an extent that the same led to decline in the prices by the domestic industry.

78. Comparison of landed price of imports with selling price of the domestic industry over the injury period showed as follows –

	Units	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Import volumes	MT	18	1,707	3,208	4,273
Landed Price	Rs/KG	169.24	179.56	170.78	145.96
Selling price of Domestic Industry	Rs/KG	***	***	***	***
Index		100	109	101	96

79. It is observed that imports from Belarus have been consistently undercutting the prices of the domestic industry in the market. Resultantly, the domestic industry is unable to adjust its prices to changes in the cost structures of the domestic industry. Selling price of the domestic industry moved in tandem with the landed price of imports. Resultantly, the domestic industry was left to such a situation where the increase in the selling price over the injury period was far lower than increase in the cost of production.

The magnitude of the margin of dumping: -

80. It is seen that the dumping margin in case of Belarus is not only more than de-minimus, but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant. It is noted that the exporter is gradually intensifying dumping.

Growth

81. The Authority notes that though there has been positive growth in respect of volume parameters, such as production and sales; however, growth of the domestic industry was negative in respect of various price parameters. Profitability of the domestic industry has deteriorated drastically to such an extent that the profits have got completely eroded and the domestic industry is faced with financial losses. The return on investments is negative in the POI.

Ability to raise capital investment

82. It is noted that fresh investments were made by the domestic industry up to 2006-07. However, the domestic industry was having better profitability till that stage. Further, both the companies are multi product companies and might be supported by other product activities. However, continued dumping of the product would certainly have adverse impact on the ability of the domestic industry to raise capital investment.

Conclusion on injury

83. It is noted that the domestic industry has suffered material injury in terms of the following parameters: -

- (i) Imports from subject country have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption in India.
- (ii) Dumped imports are significantly undercutting the selling prices of the domestic industry.
- (iii) Selling price of the domestic industry declined. Even when there was an increase in the cost of production, the decline in the selling price was far more pronounced than decline in the cost of production. Sales volumes of the domestic industry improved. However, in spite of increase in sales volume, market share of domestic industry declined. The profitability of the domestic industry has deteriorated over the injury period. The decline in the POI led to the domestic industry suffering financial losses. In spite of much higher sales volumes, profits earned by the domestic industry were much lower and reached a stage of significant financial losses. The return on capital employed and cash profits have deteriorated.

84. It is observed that performance of the domestic industry has deteriorated in terms of capacity utilization, sales values, profits, return on investments, cash profit and inventories. Imports are undercutting the prices of the domestic industry and are having significant depressing/suppressing effect on the prices of the domestic industry. After the analysis of various injury parameters, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.

Threat of material injury

85. The Domestic industry has submitted that in addition to the material injury already inflicted on the domestic industry, imports from Belarus are posing threat of material injury to the domestic industry in view of the following: -

- i. There has been quite steep increase in imports. Further, rate of increase in imports is also positive, as would be seen from the table below-

(Volume in MT)				
Country	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Belarus	18	1,458	2,717	4,273

- ii. The price undercutting is significant. The imports are entering at such prices that there is strong likelihood of further importation;

Rs. Per KG	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Price undercutting	***	***	***	***
Price undercutting %	***	***	***	***
Price undercutting Range	0-10%	0-10%	0-10%	15-20%

- iii. As per website information of the foreign producer in Belarus, capacities created by them are more than domestic demand in that country.
- iv. Significant share in the domestic market is already held by the dumped imports and such shares are increasing.

86. The Authority concludes that the various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered injury.

OTHERS KNOWN FACTORS

Volume and prices of imports from other sources

87. It has been seen that significant imports are being reported from China, Taiwan, Thailand, and Indonesia also. Imports from China are attracting anti dumping duty. Imports from Thailand, Taiwan and Indonesia were at prices higher than prices of imports from Belarus and therefore could not have caused injury to the domestic industry. The imports from China (Sunset review) were in almost similar range (Rs. 147.89 per kg) as that of Belarus.

Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

88. Demand of the product under consideration has not registered negative growth. Contraction in demand is not a possible reason, which could have contributed to injury to the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

89. The subject goods are freely importable and there is no evidence of trade restrictive practices prevailing in the domestic market. This factor could not have been the reason to cause injury to the domestic industry.

Development of technology and export performance

90. Technology for production of the product has not undergone any significant change. Development in technology is not a factor of injury. The domestic industry has negligible export activity.

Productivity of the Domestic Industry

91. Productivity of the domestic industry measured as production per employee has shown that productivity has increased therefore, the same could have been a cause of injury to the domestic industry.

CAUSAL LINK

92. The Authority has considered the following in order to establish causal link between dumped imports and injury to the domestic industry.

- (a) The imports from Belarus have increased steeply in significant volume over the injury period. The volume of imports is likely to increase further in view of available capacities in the exporting country.
- (b) Imports from Belarus are undercutting the prices of the domestic industry. It is seen that during the POI, the landed price from Belarus was Rs 145.96 per kg as against the Domestic selling Price of Rs 172.17 per Kg. Whereas in case of China PR, the landed price was Rs 147.89 per kg (Rs. 169.89 per kg with anti dumping duty) thereby showing higher undercutting in respect of the imports from Belarus. The undercutting was negative in case of dumped imports from China (Rs.177.36 per kg. with anti dumping duty). This shows that though undercutting from China was significant, it was higher from Belarus which establishes likelihood of recurrence of dumping/injury from China PR and injury in case of Belarus.
- (c) Cost adjusted prices of the domestic industry declined, which directly resulted in decline in profitability of the domestic industry.
- (d) As per website information of the foreign producer in Belarus, capacities created by them are more than domestic demand in that country.
- (e) Significant share in the domestic market is already held by the dumped imports and such shares are increasing.

93. In view of the above, the Authority holds that injury suffered by the domestic industry due to other factors is far too insignificant as compared to injury suffered because of price decline resulting from dumped imports. The situation of the domestic industry has shown a material deterioration over the injury period, which was substantially due to dumped imports. The Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury due to dumped imports.

Overall assessment

94. The above analysis of various injury and causal link factors show that in spite of improvement in some parameters during the injury period, the performance of the domestic industry has materially deteriorated and the industry suffered injury in terms of sales volumes, capacity utilization, market share, profitability, cash flow and return on investment, while there was a healthy demand for the product in the domestic market. The injury suffered is material and significant. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume

effects of dumped imports from Belarus. Injury, if any, caused due to other factors is not significant.

Magnitude of injury and injury margin

95. The Authority has determined non-injurious for the domestic industry taking into cost of production of the domestic industry. The non-injurious price has been determined separately for the loose and packed form of the product under consideration. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the weighted average landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

	USD/Kg
Non-injurious price	***
Responding Exporter	
Landed price of imports	145.96
Injury margin %	32.50

Comments to Disclosure Statement

Submissions of Domestic Industry

96. The domestic industry comments are largely on dumping margin and that the Normal value determined is grossly understated.

Examination by the Authority

97. The authority notes that consistent practice has been followed in constructing the normal value. The price adjustments have been allowed after due verification of the records.

Submissions On Behalf of Producer JSC Grodno Khimvolokno, Republic of Belarus and Exporter Kapsco Private Limited, Singapore.

98. The responding producer / exporter have made following post-disclosure submissions:

- i. It is stated that Kapsco is a trader on arms length basis with Grodno and as verified is not an agent of Grodno and may not be so described.
- ii. It may be noted that the related company of co-petitioner Century Enka is an importer of the Subject Goods. In terms of the Rules the Hon'ble Authority may terminate the said Investigations due to 'relationship'.
- iii. At various places only grey fabric is mentioned. It may be recalled that in the preliminary findings and in the recent final findings in China NTCF SSR the recommended measures are in respect of NTCF only.
- iv. Grodno merits MET and reiterate its submissions.
- v. The Hon'ble Authority has not noted the Customs Union between the Republic of Belarus, the Russian Federation and the Republic of Kazakhstan within EurAsEC, Russia is treated as a market economy. Also that Belarus is included in the 'Eastern Partnership' by market economy EU.

- vi. The Hon'ble Authority has verified that as per Belarus law Grodno is not permitted to sell below cost. And the Hon'ble Authority has not dealt with the fact that with imports contributing over 65% of GDP (mainly from market economies EU and Russia) it is not possible for there to be any 'significant distortion' in prices. For these reasons too the MET claim of Grodno may be accepted.
- vii. The Hon'ble Authority has correctly rejected Thailand as 'Surrogate country'.
- viii. Kapsco and Grodno reiterate that as per law and practice, injury and causal link analysis is mandatory in this case and they may be granted the benefit of the 'lesser duty' norm. It is not clear whether the verified profitable export price of Kapsco has been considered for the injury margin determination as required.
- ix. Though it is recorded that Grodno and Kapsco sought dis-aggregation of imports for advanced license market segment from total imports there has been no attempt to do so by the Hon'ble Authority. This market segment must be excluded from injury and causal link analysis as there is no applicable measure.
- x. Given that there are only 2 customers there can be no threat of injury. Each new customer takes a year or more to exchange specifications and pass tests etc. The Hon'ble Authority has also verified that Grodno has far greater exports to third countries including Russia. By comparison exports to India are not significant.
- xi. The Hon'ble Authority has not considered the impact of economic slowdown, declining exports, slow radialisation, depressed user bias and radial tyre prices due to alleged dumping, SRF's strategy (as per its Annual Reports) to diversify its product range in industrial fibres beyond NTCF, unusual volatility in costs during the POI, Indian Rupee appreciation during the POI and the NTCF CHINA TP SSG Investigations in its causal link analysis. Such an exercise would establish the absence of any causal link.

Examination by the Authority

99. The Authority has examined the submissions made to the disclosure statement under relevant paras starting from Para 48 onwards also. The imports from Belarus have been examined separately than China and are found to be at dumped prices. Rests of the submissions are general in nature without any substantial evidence.

Submissions on behalf of ATMA

100. It has been stated that there is difference in Domestic sales, Production and Installed Capacity as reported in the annual reports of the companies with that adopted in the disclosure statement.

101. Given that there are only 2 customers there can be no threat of injury. Each new customer takes a year or more to exchange specifications and pass tests etc. The Hon'ble Authority has also verified that Grodno has far greater exports to third countries including Russia. By comparison exports to India are not significant.

102. The Hon'ble Authority has not considered the impact of economic slowdown, declining exports, slow radialisation, depressed user bias and radial tyre prices due to alleged dumping, SRF's strategy (as per its Annual Reports) to diversify its product range in industrial fibres beyond NTCF, unusual volatility in costs during the POI, Indian Rupee appreciation during the POI and the NTCF CHINA TP SSG Investigations in its causal link analysis. Such an exercise would establish the absence of any causal link.

Examination by the Authority

103. The authority notes that the information reported in the Annual report of M/s SRF in respect of Installed capacity, production and turnover etc. covers Nylon Tyre cord Fabric and Industrial yarn fabric. The information in respect of Industrial yarn fabric has not been taken into account not being the product under consideration. Rests of the submissions are general in nature without any substantial evidence.

Conclusions:

104. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from Belarus below its normal value.
- (b) The domestic industry has suffered material injury.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports from Belarus.

Indian industry's interest & other issues

105. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain

availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

Recommendations

106. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of final duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of final anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

107. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the table below to be imposed from the date of this notification on all imports of subject goods originating in or exported from Belarus.

SN	Heading/ subheading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	5902.10	NTCF	All Grades	Belarus	Singapore	Grodno Khimvo lokno	Kapsco Private Ltd.	0.77	Kg	USD
2	5902.10	NTCF	All Grades	Belarus	Belarus	Grodno Khimvo lokno	Grodno Khimvo lokno	0.77	Kg	USD
3	5902.10	NTCF	All Grades	Belarus	Belarus	Any combination other than at 2 above.		0.92	Kg	USD
4	5902.10	NTCF	All Grades	Belarus	Any country other than Belarus.	Any combination other than at 1 above.		0.92	Kg	USD
5	5902.10	NTCF	All Grades	Any country other than country/ies attracting anti dumping duty.	Belarus	Any	Any	0.92	Kg	USD

108. Subject to above, the Authority confirms the provisional findings Notification No. 14/09/2008-DGAD dated 3rd March, 2009 and corrigendum notification dated 15th April 2009,

and recommends imposition of the anti-dumping duty as in Para above and the duty table as above from the date of imposition of provisional anti-dumping duty.

109. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority